संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
31 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 218
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

जनसेवा ही हरियाणा पुलिस का एकमात्र धर्म और पहचान: डीजीपी अजय सिंघल

पेज-7

मोटी-मोटी बातें

सांसद कंग ने श्री चरण छोह गंगा सचखंड, खुरालगढ़ साहिब के विकास के लिए केंद्र से सहायता की मांग की

नई दिल्ली– सांसद मलविंदर सिंह कंग ने आज लोकसभा में नियम 377 के तहत एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक मुद्दा उठाया। उन्होंने पंजाब के जिला होशियारपुर की तहसील गढ़शंकर में स्थित श्री चरण छोह गंगा सचखंड, खुरालगढ़ साहिब के सर्वपक्षीय विकास के लिए केंद्र सरकार से तुरंत सहायता की मांग की।

श्री चरण छोह गंगा सचखंड रविदासिया समुदाय के लिए धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है और यह स्थान गुरु रविदास जी के जीवन और आध्यात्मिक विरासत से बहुत करीब से जुड़ा हुआ है। हर साल पंजाब और देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नतमस्तक होने के लिए आते हैं, खासकर बड़े धार्मिक त्योहारों के दौरान यहां भारी इक्ट्ठ होता है।

सांसद ने इस बात पर ज़ोर दिया कि राष्ट्रीय महत्व और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के बावजूद, इस स्थान को मौजूदा तीर्थयात्रा और विरासत विकास योजनओं के तहत कोई विशेष प्लानिंग या पर्याप्त केंद्रीय आर्थिक सहायता नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि इस कमी से न सिर्फ़ श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है, बल्कि इससे स्थानीय रोज़गार और क्षेत्र में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने में भी रुकावट पैदा होती है।

अल्बर्टा अलगाववाद, अमेरिका और ट्रंप: कनाडा-US रिश्तों में नई तल्खी

ओटावा– कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बर्टा प्रांत की आज़ादी की मांग करने वाले अलगाववादियों से मुलाकात की है। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी प्रशासन कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करेगा।

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों ने अल्बर्टा प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट (APP) नामक समूह के साथ तीन बैठकें की हैं। यह समूह ऊर्जा-समृद्ध पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को कनाडा से अलग करने को लेकर जनमत संग्रह कराने की मांग कर रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्नी ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिकी प्रशासन कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत में मैं हमेशा इस बात को साफ रखता हूं।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि ट्रंप ने उनसे कभी अल्बर्टा अलगाववाद का मुद्दा नहीं उठाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के युवाओं से किया संवाद, नीति और अवसरों पर हुई सार्थक चर्चा

युवाओं के विश्वास से हरियाणा में मजबूत हुई डबल इंजन सरकार -मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को उनके आवास संत कबीर कुटीर पर आए पंजाब के युवाओं से संवाद करते हुए शासन, नीति और रोजगार से जुड़े अवसरों पर सार्थक चर्चा की। उन्होंने सुशासन और मेरिट आधारित मॉडल को विकास का आधार बताते हुए पारदर्शी रोजगार नीति पर जोर दिया, ताकि योग्य युवाओं को निष्पक्ष अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कौशल विकास को भविष्य की जरूरत बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवा शक्ति को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास जीतना आसान नहीं होता और उसे बनाए रखना उससे भी अधिक चुनौतीपूर्ण कार्य है। केंद्र और हरियाणा में डबल इंजन सरकार का तीसरा कार्यकाल इस बात का प्रमाण है कि विशेष रूप से युवाओं ने सरकार की नीतियों पर भरोसा जताया है। सरकार ने अपने कार्यकाल के प्रारंभ से ही यह सुनिश्चित किया कि युवाओं की प्रतिभा को सम्मान मिले और उन्हें समान अवसर प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि हरियाणा और पंजाब केवल पड़ोसी राज्य नहीं हैं, बल्कि एक ही संस्कृति, परंपरा और विरासत की दो

सशक्त धाराएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 'बिना खर्ची–बिना पर्ची' की नीति को सख्ती से लागू करते हुए योग्यता के आधार पर युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। बीते वर्षों में बड़े पैमाने पर की गई भर्तियों से युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और भरोसे की राजनीति को मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री ने पंजाब के युवाओं को आश्वस्त किया कि वे कभी भी उनसे मिल सकते हैं और हरियाणा सरकार युवाओं के हितों के लिए हर संभव कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विकसित भारत 2047 में युवा सबसे बड़ी ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का है और इस लक्ष्य को साकार करने में देश का युवा वर्ग सबसे बड़ी शक्ति है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विश्व की शीर्ष आर्थिक शक्तियों में शामिल हुआ है और अब तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज़ादी के बाद पहली बार देश को ऐसा नेतृत्व मिला है जो आजादी के महानायकों के विचारों को आगे बढ़ा रहा है।

नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ हरियाणा सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना से लेकर नशे की लत से ग्रसित युवाओं के इलाज तक, सरकार हर स्तर पर निरंतर प्रयास कर रही है।

कांग्रेस, अकालियों और भाजपा को अपने पुत्र-भतीजों और जवाई-भाई की चिंता होती थी लेकिन आम आदमी पार्टी को हमेशा पंजाब के नौजवानों का फिक्र रहता है - मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

जलंधर– जलंधर के पी.ए.पी. ग्राउंड में जहां अनुसूचित जाति (एस.सी.) वर्ग के 2.7 लाख से अधिक विद्यार्थियों को वजीफा वितरण की शुरुआत के मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'रंगला पंजाब' मिशन तहत 271 करोड़ रुपये का पोस्ट-मैट्रिक वजीफा अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने प्रतिक सरकार की पहल को स्पष्ट करता है। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस, अकाली और भाजपा सत्ता में रहते हुए अपने परिवारों के हित पालती रही है जबकि दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी केवल पंजाब के नौजवानों के भविष्य को सुरक्षित बनाने पर ध्यान दे रही है।

साल 2020-21 के मुकाबले लाभार्थियों की संख्या में 35 प्रतिशत वृद्धि होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वृद्धि सरकार के शिक्षा सुधारों की गवाही देती है। उन्होंने कहा कि स्कॉलरशिप केवल वित्तीय मदद नहीं है बल्कि स्व-निर्भरता का जरिया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने इस योजना के साथ जान-बूझकर कई साल अनदेखी करते सिस्टम को दुरुस्त करने का बड़ा प्रयास किया है क्योंकि फंड जारी करने में देरी करने और फंडों के दुरुपयोग से विद्यार्थी परीक्षाओं में बैठने से वंचित रह जाते थे।

एक्स पर समागम के कुछ अंश सांझा करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "आज जालंधर के पी.ए.पी. ग्राउंड जहां अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी गई जिससे राज्य भर के 2.7 लाख से अधिक बच्चों को स्कॉलरशिप वितरण की शुरुआत हुई। इस पहलकदमी का मुख्य उदेश्य यह यकीनी बनाना है कि जरूरतमंद परिवारों के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के योग्य हों। साल 2020-21 के मुकाबले, 2024-25 में स्कारशिप प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में 35 प्रतिशत का वृद्धि हुई है। यह स्कॉलरशिप केवल वित्तीय सहायता नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को आत्म-निर्भर बनाने का शक्तिशाली साधन है।

विदेशी मुद्रा भंडार 709 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई– देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 8.053 अरब डॉलर की बड़ी वृद्धि के साथ 709.413 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। पिछले सप्ताह यह 14.167 अरब डॉलर बढ़ा था। इस तरह दो सप्ताह में ही इसमें 22.22 अरब डॉलर का उछाल आ चुका है।

विदेशी मुद्रा भंडार का पिछला उच्चतम स्तर 27 सितंबर 2024 को 704.885 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार में 5.635 अरब डॉलर का उछाल आया और यह 123.088 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सोने की कीमतों में लगातार तेजी से स्वर्ण भंडार बढ़ रहा है।

सोनू सूद ने देशभर में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने की मांग की

नयी दिल्ली– बॉलीवुड अभिनेता एवं समाजसेवी सोनू सूद ने सरकार से मांग की है कि वह देशभर में 16 वर्ष से कम आयु से बच्चों के सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करे।

सोनू सूद ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में बच्चों के मोबाइल पर अत्यधिक समय बिताने पर चिंता व्यक्त की, यहां तक कि खाना खाते समय भी, और अनियंत्रित स्क्रीन एक्सपोजर के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में चेतावनी दी।

उन्होंने आगे लिखा, 'बच्चे खाना खाते समय स्मार्ट फोन पर स्क्रॉलिंग करते रहते हैं, जबकि माता-पिता बेखबर रहते हैं, यह हमारा भविष्य नहीं हो सकता।' उन्होंने आगे परिवारों के बीच बढ़ते डिजिटल अलगाव पर चिंता जताई। उन्होंने आंध्र प्रदेश के प्रतिबंध लगाने के कदम का हवाला दिया और सुझाव दिया कि गोवा भी ऐसा ही कर सकता है, साथ ही उन्होंने राष्ट्रव्यापी स्तर पर और अधिक सख्त कार्रवाई की मांग की।

डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना, उच्च शिक्षा के सपनों को मिल रहे हैं पंख

हिमाचल सरकार के शिक्षा-आधारित विकास मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण

शिमला। हिमाचल प्रदेश में उच्च शिक्षा को सुलभ बनाने की दिशा में डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल है। इस योजना का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आर्थिक संबल प्रदान करना है, जिनमें योग्यता और मेहनत तो है, लेकिन सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण वे उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। यह योजना विशेष रूप से मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभरी है। हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. वाई.एस. परमार के नाम पर शुरू की गई यह योजना शिक्षा को सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम मानती है। राज्य सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत उन्नति का साधन नहीं, बल्कि समाज और प्रदेश के समग्र विकास की मजबूत नींव है। इसी सोच के तहत इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वे देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अध्ययन कर सकें।इस योजना का लाभ हिमाचल प्रदेश के स्थायी निवासी छात्र उठा सकते हैं। भारत तथा विदेश में उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए ऋण की सुविधा प्रदान की गई है। योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों की आर्थिक बाधाओं को दूर कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए पात्रता शर्तों के अनुसार विद्यार्थी की पारिवारिक वार्षिक आय 12 लाख रुपये तक होनी चाहिए तथा पिछली परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक अर्जित किए हों। 28 वर्ष तक की आयु के युवा इस योजना के लिए पात्र हैं।

डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना के अंतर्गत लगभग सभी प्रमुख उच्च एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं, जिनमें इंजीनियरिंग, मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग, फार्मेसी, पैरामेडिकल, प्रबंधन (एमबीए), विधि, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, तकनीकी शिक्षा, स्नातकोत्तर, शोध एवं पीएचडी जैसे पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी विदेशों में मान्यता प्राप्त संस्थानों में भी अध्ययन कर सकते हैं। ऋण की राशि का उपयोग ट्यूशन फीस, हॉस्टल अथवा आवास, पुस्तकों, उपकरणों तथा अन्य शैक्षणिक खर्चों के लिए किया जा सकता है। डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना के प्रभाव से हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहे हैं। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के छात्र अब देश के बड़े और प्रतिष्ठित संस्थानों तक अपनी पहुँच बना सकते हैं। विदेश में उच्च शिक्षा का सपना भी अब सीमित आय वाले परिवारों के विद्यार्थियों के लिए साकार होने लगा है। डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना केवल एक वित्तीय सहायता कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की एक सशक्त योजना है। यह उन अधूरे सपनों को साकार करने का माध्यम बन रही है, जो कभी आर्थिक अभाव के कारण दबकर रह जाते थे। हिमाचल प्रदेश सरकार की यह पहल शिक्षा-आधारित विकास मॉडल का एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

सत्यम कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत योजना की लाभार्थी कृतिका चैधरी बताती हैं कि वह एक गरीब परिवार से संबंध रखती हैं। जमा दो के बाद परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण उनके लिए आगे पढ़ाई करना संभव नहीं था, लेकिन डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना का लाभ मिलने से वह नर्सिंग की पढ़ाई जारी रख पा रही हैं और अपने भविष्य को नई दिशा दे सकी हैं। कृतिका चैधरी की माता संतोष कुमारी कहती हैं आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके लिए बेटी की पढ़ाई करवाना कठिन हो गया था हिमाचल प्रदेश सरकार की डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना के कारण वे अपनी बेटी की पढ़ाई जारी रख पा रही हैं। सरकार की इस सहायता के बिना यह संभव नहीं हो पाता।

उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा कहते हैं कि डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के अंतर्गत जो भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए ऋण लेना चाहता है, उन्हें मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना में 20 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण लेने का प्रावधान है। पात्रता की बात करें तो विद्यार्थी के कम से कम 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है तथा परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिभाशाली और मेधावी बच्चों की उच्च शिक्षा धन की कमी के कारण बाधित न हो। इसी उद्देश्य से यह योजना प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए जो भी विद्यार्थी ऋण लेना चाहते हैं वे इस इस योजना का लाभ अवश्य लें। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपायुक्त कार्यालय या शिक्षा विभाग तथा किसी भी बैंक से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मंडल प्रमुख पीएनबी संजय धर और मुख्य प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक पृथ्वी रणवीर बताते हैं कि डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना के लिए ऑनलाइन भी आवेदन किया जा सकता है, आवेदक httpÑ//hpepass.cgg.gov.in/ पर भी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी किसी भी मान्यता प्राप्त बैंक में शिक्षा ऋण हेतु आवेदन कर सकता है। आवेदन के समय स्थायी निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र तथा प्रवेश/एडमिशन लेटर जैसे आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होते हैं।

अहिंसा और नैतिकता का मार्ग ही सच्ची श्रद्धांजलि : केवल सिंह पठानिया

- बडंज स्कूल में 10 लाख से निर्मित कमरों का किया लोकार्पण
- महात्मा गांधी शहीदी दिवस पर विद्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

शाहपुर । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बडंज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के शहीदी दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ।

इस अवसर पर केवल सिंह पठानिया ने कहा कि महात्मा गांधी अहिंसक प्रतिरोध के अग्रदूत थे और उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नैतिकता की नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि बापू का बलिदान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा और मानवता जैसे सार्वकालिक मूल्यों के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान था। गांधी जी ने राजनीति में नैतिकता का समावेश कर यह संदेश दिया कि लक्ष्य जितना पवित्र हो, उसे प्राप्त करने का मार्ग भी उतना ही पवित्र होना चाहिए।

उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज के तनावपूर्ण एवं प्रतिस्पर्धात्मक डिजिटल युग में गांधी जी का 'बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत बोलो' का संदेश साइबर एथिक्स का सबसे प्रभावी सूत्र है। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती या शहीदी दिवस पर केवल औपचारिकताएं निभाने से अधिक आवश्यक है कि हम उनके दिखाए अहिंसा, सत्य और स्वच्छता के मार्ग पर व्यवहारिक रूप से आगे बढ़ें—यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

उपमुख्य सचेतक ने शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से रिक्त पदों को भरा जा रहा है तथा हाल ही में प्रधानाचार्यों एवं मुख्याध्यापकों की नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में शीघ्र ही आमजन एवं विद्यार्थियों की सुविधा हेतु 10 छोटी बसें आरंभ की जाएंगी तथा 1 अप्रैल 2026 के बाद लगभग 5,000 स्कूली बच्चों को पानी की बोतलें वितरित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त विद्यालय में दो और अतिरिक्त कमरों का निर्माण भी शीघ्र करवाया जाएगा।इस अवसर पर केवल सिंह पठानिया ने विद्यालय में 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित दो अतिरिक्त कमरों का लोकार्पण किया तथा अपनी ओर से प्राइमरी स्कूल हरनेरा व सलवाना सेंटरों के लगभग 80 बच्चों को स्कूल बैग भेंट किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य कुलवीर ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए नवनिर्मित कमरों के लिए आभार व्यक्त किया। सरदार मनमोहन सिंह ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों के लिए धन्यवाद करते हुए स्थानीय मांगें रखीं। ओम साईं यूथ क्लब बडंज द्वारा भी मुख्यातिथि को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं तथा नशे से दूर रहने के संदेश पर आधारित एक प्रभावशाली लघु नाटिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग नीरज जसवाल, बीडीओ रैत कमलजीत, नायब तहसीलदार राजेंद्र पठानिया, प्रधानाचार्य बलजीत दियोलिया, शमशेर भारती, अनिल जरयाल, नरेंद्र, बीईईओ मिनटों देवी, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, प्रधान हरनेरा पंचायत रचना देवी, उपप्रधान गोपाल, एसएमसी प्रधान वंदना देवी, अशोक ठाकुर, बंसी लाल, कुलदीप, सुरेन्द्र धीमान, पंकज, बच्चों के अभिभावक, स्कूल स्टाफ एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

शिमला। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आज निदेशालय सूचना एवं जन संपर्क में आयोजित एक कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन भी रखा। संयुक्त निदेशक अजय पाराशर और यू.सी. कौन्डल तथा उप–निदेशक अनिल गोमा सहित विभाग के अन्य अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

शहीदी दिवस पर जिले भर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

धर्मशाला । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को जिले भर में शहीदी दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।इस अवसर पर उपायुक्त कार्यालय परिसर में अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा देश के प्रति उनके अमूल्य योगदान का स्मरण किया।इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे गांधीजी द्वारा बताए गए सत्य, अहिंसा और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर चलने का संकल्प लें, ताकि वे अच्छे नागरिक बनकर देश और समाज की सेवा कर सकें।इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी शहीदी दिवस के अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस अवसर पर एसी जगदीप कुमार, एसडीएम मोहित रत्न सहित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. शांडिल ने अमर नाथ बंसल के निधन पर जताया शोक

सोलन । स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने शूलिनी समाचार पत्र के सम्पादक एवं वरिष्ठ पत्रकार सतीश बंसल के पिता अमर नाथ बंसल के निधन पर शोक व्यक्त किया है।अमर नाथ बंसल का आज प्रात: निधन हो गया।वह पिछले काफी समय से अस्वस्थ्य थे।डॉ. शांडिल ने कहा कि स्व. अमर नाथ बंसल जीवन भर समाज के कमज़ोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्यरत रहे।उन्होंने कहा कि समाज सेवा के माध्यम से स्व. बंसल ने लोगों के लिए नि:स्वार्थ भावना से कार्य किया।उनके समर्पण और समाज सेवा की भावना को सदैव याद रखा जाएगा।स्वास्थ्य मंत्री ने परम पिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

शहीद दिवस पर मुख्यमंत्री ने अर्पित की महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

- कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा का नाम बदलने के ख़िलाफ़ रखा दो घंटे का उपवास

शिमला। शहीद दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ आज शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरान्त कांग्रेस के नेताओं ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने और योजना को कमजोर किए जाने के विरोध में प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक दो घंटे का उपवास रखा। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने, न केवल मनरेगा का नाम बदला है बल्कि योजना के मूल स्वरूप को भी कमज़ोर किया है। पहले यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं और महिलाओं को रोज़गार के अवसर प्रदान करती थी, लेकिन अब रोज़गार के अवसरों में कटौती की जा रही है।

श्री सुक्खू ने कहा कि पहले गांव के प्रधानों को मनरेगा के तहत सड़क निर्माण जैसे कार्य करवाने की शक्तियां प्राप्त थीं, जिससे लोगों को अपने घर-द्वार के निकट रोज़गार मिलता था। कोविड-19 महामारी के दौरान इस योजना ने लोगों को रोज़गार के अधिक अवसर उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि अब पंचायत प्रधानों की शक्तियां छीन ली गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा पिछले 20 वर्षों से मनरेगा अधिनियम में रोज़गार की गारंटी थी और काम उपलब्ध न होने की स्थिति में बेरोज़गारी भत्ता देने का प्रावधान भी था। उन्होंने कहा कि ग्रामीण रोज़गार गारंटी की इस योजना को सुनियोजित तरीके से कमज़ोर करने के विरोध में यह उपवास आयोजित किया गया। पहले केंद्र सरकार मनरेगा के तहत शत प्रतिशत व्यय वहन करती थी, लेकिन अब इसे 90:10 के वित्तपोषण में बदल दिया गया है, जिससे हिमाचल प्रदेश के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

सेब पर आयात शुल्क में कमी से जुड़े सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ आयोजित पिछली बैठक में उनसे न्यूजीलैंड से आयातित सेब पर शुल्क कम करने का मुद्दा उठाया था। आयात शुल्क में किसी भी प्रकार की कमी हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों को गंभीर नुक़सान पहुंचाएगी। इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार से अधिकारियों और बाग़वानों की एक टीम भेजने को कहा है, जिसके उपरान्त केंद्र सरकार इस विषय के सभी पहलुओं की गंभीरतापूर्वक जांच कर चर्चा करेगी।

इस अवसर पर कांग्रेस हिमाचल प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल, उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस सह-प्रभारी विदित चौधरी और चेतन चौहान, पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, विधायक संजय अवस्थी, मलेंद्र राजन, हरदीप बाबा, अनुराधा राणा और विनोद सुल्तानपुरी, विभिन्न जिलों के कांग्रेस जिला अध्यक्ष, महापौर सुरेंद्र चौहान, उप-महापौर उमा कौशल, विभिन्न बोर्डों और निगमों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

हिमकॉन के अध्यक्ष विकेश चौहान ने मुख्यमंत्री से की भेंट

शिमला। हिमकॉन के प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष विकेश चौहान ने आज रामपुर विधानसभा क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से भेंट की और उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।विकेश चौहान ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि वे पार्टी हाईकमान की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार रामपुर से किसी व्यक्ति को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।राज्य में कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।श्री सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की लगभग 90 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और इसके दृष्टिगत राज्य सरकार की नीतियां और कार्यक्रम किसान केंद्रित हैं।उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है, इसलिए सरकार किसानों के आर्थिक उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है।सरकार ने ऐतिहासिक पहल करते हुए दूध और प्राकृतिक खेती से उगाए गए कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों से गेहूं 60 रुपये प्रति किलोग्राम, मक्का 40 रुपये प्रति किलोग्राम और कच्ची हल्दी 90 रुपये प्रति किलोग्राम के समर्थन मूल्य पर खरीद रही है।इसके अलावा, गाय का दूध 51 रुपये प्रति लीटर और भैंस का दूध 61 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदा जा रहा है। इसके अतिरिक्त किसानों द्वारा दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित खरीद केंद्रों तक स्वयं दूध की आपूर्ति करने के लिए उन्हें 2 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी भी दी जा रही है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रदेश की समृद्धि का आधार - संजय अवस्थी

सोलन । अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं आरम्भ की गई है। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत दसेरन में 12 लाख से निर्मित क्षेत्रीय कानूनगो कार्यालय भराड़ीघाट का लोकार्पण करने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। संजय अवस्थी ने ग्राम पंचायत क्यारड में 11 लाख से निर्मित महिला मण्डल भवन गतेड़ का लोकार्पण तथा गांव गतेड़ के लिए 02 लाख की लागत से निर्मित हैंडपंप के विद्युततीकरण का शुभारम्भ भी किया। विधायक ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रदेश की समृद्धि का आधार है और इसे मज़बूत बनाने के लिए गांवों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सम्बद्ध क्षेत्रों के समावेशी विकास के माध्यम से सशक्त बनाना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्राकृतिक पद्धति से उगाए गए अनाज खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों व पशुपालकों की आर्थिकी को और अधिक मज़बूत बनाने के लिए दूध व गाय के दूध के समर्थन मूल्य में आशातीत वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि इन ऐतिहासिक निर्णयों से किसानों व पशुपालकों की आर्थिकी में सुधार होगा। संजय अवस्थी ने कहा कि युवाओं को रोज़गार व स्वरोज़गार के अवसर प्रदान करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। इसी दृष्टिकोण से क्षेत्र के लिए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से अर्की विधानसभा क्षेत्र में आने वाले समय में लगभग 30 करोड़ रुपए का दूध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI VIBHAG

"NOTICE INVITING e-TENDER"

The Executive Engineer, Jal Shakti Division, Solan invites e-tender on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors/firms for the following work through e-tendering process:

Sr. No.	Name of work.	Estimated cost	Earnest Money	Time of Comple-tion.	Cost of form.	Last date of filing/ upload-ing the tender through e-tendering upto
1.	Providing consultancy services for and preparation of Detail Project Report (DPR) for Source Sustainability Structure and Buffer Storage for various WSS in Solan Constituency.	19,66,242/-	39,325/-	Three Months	500/-	09.02.2026 upto 11:00
2.	R/M of various WSS under GP Kothon. (SH:-Providing skilled / unskilled labour for one year)	10,90,562/-	21,850/-	One Year	500/-	
3.	Sewerage system to Solan Town in Tehsil & Distt Solan HP. (SH:-Restoration of rain damages of 200mm dia DI pipe along Kotla Nallah).	8,28,139/-	16,600/-	Three Months	500/-	
4.	Providing & Installation of 1 No. India mark-III (65mm) and India mark-II (32mm) deepwell hand pump at Agriculture complex Berti Tehsil & Distt Solan. (SH:- Drilling by DTH/ ODEX percussion/ Calyx/ RC portable rigs 90 meters deep and its energisation).	6,51,040/-	13,050/-	One month	500/-	
5.	Stock Storage (SH:- Repair and painting of Jal Shakti Divisional Office Building Solan Tehsil & Distt Solan)	2,45,968/-	4950/-	One month	500/-	
6.	Restoration of rain damages of LWSS Bagetoo Tehsil Kandaghat Distt Solan HP. (SH:-Repair of pump house). Job No.1	1,99,971/-	4000/-	One month	500/-	

The tender forms and other detailed can be obtained from website **https://jsv.hp.nic.in**
HIMSUCHNA AVAM JANSAMPARK

Executive Engineer,
Jal Shakti Division, Solan

R.No. 6009/2025-2026

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

एसएईएल ने 1 जीडब्लूपी सोलर प्रोजेक्ट शुरू किया, समूह की कुल परिचालन क्षमता 2 जीडब्लूपी के पार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वर्टिकली इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसएईएल) ने गुजरात के खावड़ा स्थित दुनिया के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी पार्क में 1 जीडब्लूपी (800 मेगावाट) का सोलर पॉवर प्लांट सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। यह परियोजना एसएईएल की सहायक कंपनियों एसएईएल सोलर पी4 प्राइवेट लिमिटेड और एसएईएल सोलर पी5 प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से स्थापित की गई है, जिनकी क्षमता 500 एमडब्लूपी (400 मेगावाट) प्रत्येक है।इन परियोजनाओं को गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ 25 वर्षों के दीर्घकालिक पॉवर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) का समर्थन प्राप्त है, जिससे राजस्व में स्थिरता सुनिश्चित होती है। परियोजनाओं में 15 लाख से अधिक टॉपकॉन बाइफेशियल सोलर मॉड्यूल लगाए गए हैं। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक मॉड्यूल पंजाब और राजस्थान में स्थित एसएईएल की सोलर मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों में तैयार किए गए हैं, जो 'मेक इन इंडिया' पहल के अनुरूप है।एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीईओ और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री लक्षित आवला ने कहा, "खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की उस दूरदृष्टि का प्रतीक है, जिसके तहत भारत को वैश्विक रिन्यूएबल एनर्जी शक्ति केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। गुजरात की इस चुनौतीपूर्ण भूमि को बड़े स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में बदलना न केवल विशाल रिन्यूएबल क्षमता के विकास को संभव बनाएगा, बल्कि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करेगा, हरित रोजगार पैदा करेगा और 2030 तक भारत के गैर-जीवाश्म ईंधन लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा। गुजरात में अपने 1 जीडब्लूपी सोलर पॉवर प्लांट के संचालन के साथ हम इस यात्रा का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं। हम अपनी तकनीकों के माध्यम से भारत की सोलर महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने और स्वच्छ ऊर्जा इकोसिस्टम में निरंतर मूल्य जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

अमृतसर में सीमा पार से संचालित नार्को तस्करी नेटवर्क से जुड़े दो व्यक्ति 51.5 किलोग्राम हेरोइन सहित काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने सीमा पार से संचालित नार्को तस्करी नेटवर्क से जुड़े दो गुर्गों को 103 पैकेटों में पैक की गई 51.5 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार करके इस नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरजीत सिंह उर्फ जीत और रणजीत सिंह उर्फ ढिल्लों दोनों निवासी गांव तलवंडी राय दादू, अमृतसर के रूप में हुई है।

यह सफलता अमृतसर ग्रामीण पुलिस के द्वारा 42.9 किलोग्राम हेरोइन, 4 हैंड ग्रेनेड और 1 स्टार-मार्क पिस्तौल सहित 46 जिंदा कारतूस बरामद करके सीमा पार से संचालित नार्को-आतंकवाद नेटवर्क का पर्दाफाश करने के एक दिन बाद हासिल हुई है। इसके साथ 24 घंटों में हेरोइन की कुल बरामदगी 94.5 किलोग्राम हो गई है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए मुलजिम अपने पाकिस्तान स्थित हैंडलर की मिलीभगत से सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल थे। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन की व्यापक जांच में संचार के कई तरीकों और अपराधों से जुड़े अन्य डिजिटल सबूतों के बारे में खुलासा हुआ है।

डीजीपी ने बताया कि इस नेटवर्क के अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी है।

ईशान और शहत गिल के नए गाने 'डेस्टिनी' में पंजाबी लोक संगीत औरमॉडर्न रोमांस का संगम

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाबी म्यूज़िक इंडस्ट्री में एक नई चमक देखनेको मिल रही है। सिंगर-सॉन्गराइटर ईशान और उभरती हुई लोकप्रियआइकन शहत गिल ने साथ मिलकर 'डेस्टिनी' पेश किया है। यह एकरोमांटिक डुएट है, जो दिखावे या पल भर की भावनाओं के बजाय सच्चाईऔर गहरे भरोसे पर आधारित क्लासिक रोमांस को सामने लाता है।खुद-ब-खुद थिरकने पर मजबूर करने वाले बीट्स के साथ, 'डेस्टिनी' उसखास पल को दर्शाता है जब दो ज़िंदगियाँ आखिरकार एक-दूसरे से जुड़तीहैं—बिना किसी ड्रामे के, सिर्फ़ शांति और पक्के यकीन के साथ।

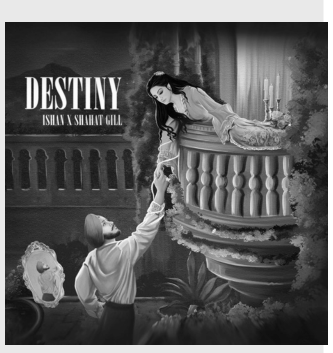

पंजाबी लोक संगीत की मधुर झलक और आधुनिक संगीत की समझ कोमिलाते हुए, 'डेस्टिनी' दो आत्माओं के बीच होने वाली उस बातचीत कीतरह आगे बढ़ता है, जिन्हें पता है कि वे एक ही मंज़िल पर पहुँच चुके हैं।ईशान की शांत और भरोसे से भरी आवाज़ गाने को मज़बूती देती है, जबकि शहत गिल की सधी हुई और मधुर आवाज़ उसमें गर्माहट औरभावनात्मक गहराई जोड़ती है। इससे यह गाना समर्पण औरसंवेदनशीलता के बीच एक संतुलित संवाद बन जाता है।

ईशान बताते हैं, "हम एक और आम लव सॉन्ग बनाने की कोशिश नहींकर रहे थे। 'डेस्टिनी' बहुत सच्ची भावना से निकला है। यह उस पल केबारे में है, जब प्यार अनिश्चित लगना बंद कर देता है और हमेशा के लिएपक्का महसूस होने लगता है। वही खिंचाव, वही आगे-पीछे की भावना—यहीं असली जादू होता है। मैं चाहता था कि यह गाना एक वादे की तरहलगे—शांत, भरोसे से भरा और बेहद निजी।" वह आगे कहते हैं, "शहत केसाथ काम करना बहुत आसान रहा। संगीत के मामले में हमारी दुनियाअलग-अलग है, लेकिन इस गाने ने उन्हें बहुत खूबसूरती से एक साथजोड़ दिया।"

बरिंदर कुमार गोयल द्वारा लीगल माइनिंग साइटों संबंधी सभी अनुमतियां तुरंत जारी करने और गैर-कानूनी माइनिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। खनिज पदार्थों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने, राज्य का राजस्व बढ़ाने और खनन क्षेत्र में नियामक अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से पंजाब के खनन और भू-विज्ञान मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने राज्य भर में लीगल (कानूनी) माइनिंग साइटों को तेज़ी से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने गैर-कानूनी माइनिंग गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कड़े आदेश जारी किए।

यहां महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (मैगसिपा) में खनन और भू-विज्ञान विभाग की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट मंत्री ने अनिवार्य अनुमतियों के जारी करने की प्रक्रिया और कार्यान्वयन ढांचे की प्रगति की समीक्षा की।

'गैंगस्टरां ते वार': डीजीपी पंजाब ने सीमावर्ती जिलों में गैंगस्टरों के खिलाफ चल रही कार्रवाइयों की समीक्षा की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत शुरू की गई 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई एक निर्णायक जंग के चलते, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज गैंगस्टरों और संगठित अपराधों के खिलाफ चल रही कार्रवाई का जायजा लेने तथा कार्रवाइयों में तेजी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बटाला में हुई यह बैठक सीमावर्ती जिलों पर केंद्रित थी और बैठक का उद्देश्य सीमा पार से संचालित आतंकवाद-अपराध गठजोड़ को समाप्त करना तथा जबरन वसूली और गैंगों की गतिविधियों पर जीरो-टॉलरेंस सुनिश्चित करना था। बैठक में एडीजीपी एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) प्रमोद बान, एडीजीपी काउंटर इंटेलिजेंस अमित प्रसाद, सीपी अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर, डीआईजी बॉर्डर रेंज संदीप गोयल, डीआईजी फिरोजपुर रेंज स्नेहदीप शर्मा, एसएसपी अमृतसर ग्रामीण सुहेल कासिम मीर, एसएसपी बटाला महिताब सिंह, एसएसपी गुरदासपुर आदित्य, एसएसपी पठानकोट दिलजींदर सिंह ढिल्लों और एसएसपी तरनतारन सुरेंद्र लांबा शामिल हुए।

इस दौरान सीमा और फिरोजपुर रेंजों में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति, अपराधों के रुझानों और काउंटर-इंटेलिजेंस उपायों पर विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अपराधिक तत्वों को जड़ से खत्म करने के लिए ऑपरेशन संबंधी तैयारियों, संयुक्त कार्य योजनाओं और सामुदायिक भागीदारी संबंधी पहलकदमियों के बारे में जानकारी दी।

- **11 दिनों में, पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 12,275 छापेमारी की; 3,721 को गिरफ्तार किया: डीजीपी गौरव यादव**
- **डीजीपी पंजाब द्वारा अधिकारियों को संचालन संबंधी तैयारियों और खुफिया जानकारी आधारित ऑपरेशनों में तेजी लाने के निर्देश**
- **लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों से संबंधित जानकारी दे सकते हैं**

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि 20 जनवरी को शुरू की गई 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के तहत पंजाब पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों में ही पंजाब पुलिस ने 100 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

मुहिम के 11 दिनों के परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों द्वारा पूरे राज्य में 12,275 छापेमारी की गईं, जिनके दौरान 8,671 व्यक्तियों से पूछताछ की गई और 3,721 को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, पुलिस टीमों ने 1,796 व्यक्तियों को हिरासत में लिया और 3,154 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया।

डीजीपी ने बताया कि पंजाब पुलिस जंगी स्तर पर काम कर रही है और किसी भी गैंगस्टर या नशा तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेशों से संचालन कर रहे गैंगस्टर, जो अपराधों को अंजाम दे रहे हैं, उन्हें भी जल्द से जल्द पंजाब वापस लाया जाएगा ताकि उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जा सके, जैसा कि पहले कई मामलों में किया गया है।

'गैंगस्टरां ते वार' का 11वाँ दिन: पंजाब पुलिस ने 795 स्थानों पर छापेमारी की; 3 हथियारों समेत 201 गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के 11वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों से जुड़े पहचाने गए और मैप किए गए ठिकानों पर 795 छापेमारियाँ कीं।

जानकारी के अनुसार, 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू की गई एक निर्णायक जंग - 20 जनवरी, 2026 को डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। इसके तहत सभी जिलों की पुलिस टीमों द्वारा एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ की जा रही हैं।

इस मुहिम के 11वें दिन, पुलिस टीमों ने 201 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से तीन हथियार बरामद किए। इसके साथ ही, मुहिम की शुरुआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या 3721 हो गई है।

- **पुलिस टीमों ने 197 व्यक्तियों के खिलाफ की रोकथाम कार्रवाई, 312 को सत्यापन के बाद किया रिहा**

इसके अलावा, 197 व्यक्तियों के खिलाफ रोकथाम कार्रवाई की गई, जबकि 312 व्यक्तियों का सत्यापन किया गया और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों द्वारा कार्रवाई के दौरान 11 भगोड़े अपराधी (पीओ) भी गिरफ्तार किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में जानकारी और अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना देने के लिए लोग गुप्त रूप से एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति द्वारा दी गई गैंगस्टरों की जानकारी के आधार पर कोई गिरफ्तारी होती है तो उस व्यक्ति को 10 लाख रुपये तक की इनामी राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान सरकार ने 'मिशन रोज़गार' के तहत युवाओं को बिना किसी रिश्वत और सिफ़ारिश के 63,943 सरकारी नौकरियाँ दीं

हिन्द जनपथ

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (ब्यूरो)। आज मोहाली में विभिन्न विभागों के नव-नियुक्त 916 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन नियुक्तियों से 'मिशन रोज़गार' के तहत बिना किसी रिश्वत या सिफ़ारिश के सरकारी नौकरियाँ देने के लिए 'आप' सरकार की प्रतिबद्धता सिद्ध होती है।

अब तक 63,943 युवाओं को सरकारी नौकरियाँ देने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में और युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे, जबकि इससे पहले पिछली सरकारों के समय योग्यता की बजाय रिश्वत और सिफ़ारिश से नौकरियाँ देने के फ़ैसले होते थे।

एक्स पर कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "आज मोहाली में विभिन्न विभागों के 916 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। उन्हें पूरी लगन और ईमानदारी से पंजाब और इसके लोगों की सेवा करने के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। अब तक 63,943 युवाओं को बिना रिश्वत या सिफ़ारिश के सरकारी नौकरियाँ प्रदान की गई हैं। आने वाले दिनों में भी 'मिशन रोज़गार' के तहत युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी।"

नएं भर्ती हुए नवयुवकों को नियुक्ति पत्र बांटते हुए विकास भवन में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दशकों से सत्ता में बैठे लोगों के रिश्तेदारों और चहेतों ने राज्य के लड़के-लड़कियों की योग्यता को दरकिनार किया, जिससे हज़ारों होनहार युवाओं के सपने तबाह हो गए।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने पार्क अस्पताल, मोहाली में एआई-संचालित एकीकृत 'रोबो-सूट' का उद्घाटन किया

हिन्द जनपथ

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (ब्यूरो)। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने शुक्रवार शाम को मोहाली स्थित पार्क अस्पताल में एआई-संचालित एकीकृत 'रोबो-सूट' का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जिकल प्रणाली उत्तर भारत में उच्च स्तरीय शल्य चिकित्सा सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में मुख्यमंत्री सेहत योजना (एमएमएसवाई) शुरू की गई है, जिसके तहत राज्य के लगभग 65 लाख परिवारों को 10 लाख तक का निःशुल्क एवं कैशलेस इलाज प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 2300 से अधिक उपचार पैकेज शामिल किए गए हैं, जिनमें उन्नत और महंगे उपचार भी सूचीबद्ध (एम्पैनल) निजी अस्पतालों में उपलब्ध होंगे।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि अब तक करीब 900 सरकारी और निजी अस्पताल योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध किए जा चुके हैं। योजना के लिए आधार एवं वोटर कार्ड धारकों का पंजीकरण तेज़ी से जारी है।

डॉ. बलबीर सिंह ने निजी एम्पैनल अस्पतालों से अपील की कि वे राज्य सरकार के प्रयासों में सहयोग करें, ताकि गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ समाज के हर वर्ग तक पहुँच सकें।

इस अवसर पर डॉ. भानु प्रताप सलूजा, निदेशक – ऑर्थोपेडिक्स एवं रोबोटिक सर्जरी, पार्क अस्पताल, मोहाली ने कहा कि नया रोबो-सूट एक अगली पीढ़ी का सर्जिकल प्लेटफॉर्म है, जो अधिक सुरक्षित, तेज़ और सटीक परिणाम सुनिश्चित करता है। उन्होंने बताया कि रोबोटिक सर्जरी में रक्त चढ़ाने, टांकों और ड्रेनेज की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि सर्जरी 3.5 से 4 इंच के छोटे चीरे के माध्यम से की जाती है।

मरीज चार घंटे के भीतर चलने लगते हैं, अगले दिन सीढ़ियाँ चढ़ सकते हैं और 7 से 10 दिनों में पूर्ण रूप से स्वस्थ हो जाते हैं।

- **मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत महंगे इलाज को सुलभ बनाने हेतु निजी अस्पतालों से सहयोग की अपील**

सिर्फ समझौता नहीं, हमारे भविष्य का रोडमैप है भारत-यूरोपीय संघ एफटीए

लेखक : श्री केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक कूटनीति में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इससे लाखों रोजगार पैदा होंगे तथा भारतीय युवाओं और किसानों के लिए व्यापक अवसरों का सृजन होगा। इसके साथ ही लगभग 2 अरब की उस आबादी के लिए धन पैदा होगा जो मिल कर वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक-चौथाई भाग है।

विश्व की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच यह एफटीए इतिहास के सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक है। वास्तव में यह व्यापार समझौते से ज्यादा व्यापक है। यह कृत्रिम मेधा (एआई), रक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने वाली विस्तृत साझीदारी है। इस एफटीए से भारत के हर क्षेत्र और नागरिक तथा खास तौर से निर्धन तबकों को लाभ पहुंचेगा।

यह एफटीए नियम आधारित व्यापार और आर्थिक नीतियों में स्थिरता सुनिश्चित करता है जिससे भारत स्वदेशी और विदेशी निवेश के लिए और ज्यादा आकर्षक बनेगा। यह छोटे व्यवसायियों, स्टार्टअप संस्थाओं और कामगारों के लिए अनेक अवसर पैदा करेगा।

विश्व ने प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा की सराहना करते हुए इस एफटीए को सभी समझौतों से बड़ा बताया है। यह वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में स्थिरता को मजबूत करता है। यह भारत और यूरोपीय संघ को मुक्त बाजार, पूर्वानुमान क्षमता और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध भरोसेमंद साझीदारों के रूप में स्थापित करता है।

भारत ने व्यापार मूल्य के हिसाब से यूरोपीय संघ में अपने 99 प्रतिशत से ज्यादा निर्यात के लिए अभूतपूर्व बाजार पहुंच प्राप्त की है जिससे 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को बल मिलेगा। इस एफटीए से कपड़ा, रेडीमेड वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरी सामान और ऑटोमोबाइल जैसे श्रमसाध्य क्षेत्रों को निर्णायक मजबूती मिलेगी।

इस समझौते से लगभग 33 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर 10 प्रतिशत तक टैरिफ खत्म होगा। इससे कामगारों, हस्तशिल्पियों, महिलाओं, युवाओं तथा सूक्ष्म, छोटे और मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) का सशक्तीकरण होगा। वैश्विक मूल्य श्रृंखला से भारतीय व्यवसाय ज्यादा गहराई से जुड़ेंगे और वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका मजबूत होगी।

यह समझौता व्यवसायियों और पेशेवर तबके के लिए दूसरे देशों में जाने को आसान बनाते हुए शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और कंप्यूटर जैसे सेवा क्षेत्रों में अवसरों के नए द्वार खोलता है। इन प्रतिबद्धताओं से उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसरों के खुलने के साथ ही प्रतिभा, नवोन्मेष और संवहनीय आर्थिक विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होती है।

व्यापार समझौते गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने की मोदी सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। इस रणनीति में क्रांतिकारी सुधारों और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा सभी पक्षों के लिए लाभकारी समझौते के उद्देश्य से विकसित और पूरक अर्थव्यवस्थाओं के साथ बातचीत शामिल है। यह रणनीति भारत को अपनी ताकत का सही इस्तेमाल करने और उन लाभकारी बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाती है जो कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की रक्षा करते हुए श्रमसाध्य क्षेत्रों में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते भारतीय उद्योगों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करते हैं और उपभोक्ताओं को विश्व स्तरीय उत्पाद उपलब्ध कराते हैं। यूपीए सरकार ने बिना सोचे-समझे भारत के बाज़ार खोल दिए थे, इसके उलट मोदी सरकार ने ऐसे समझौते किए हैं जिनमें टैरिफ में कमी धीरे-धीरे की जाती है। जिससे उद्योगों को उचित नीतिगत समर्थन के साथ अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है।

प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण का केंद्र है। पिछले सप्ताह इसी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था: 'आइए, इस साल हम अपने पूरे सामर्थ्य के साथ गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। हमारा एकमात्र मंत्र गुणवत्ता, गुणवत्ता और केवल गुणवत्ता होना चाहिए। कल की तुलना में आज और बेहतर गुणवत्ता। हम जो कुछ भी बनाते हैं, उसकी गुणवत्ता में सुधार करने का संकल्प लें।'

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के पूरी तरह अनुरूप है। यह भारत को वैश्विक मंच पर एक गतिशील, विश्वसनीय और दूरदर्शी भागीदार के रूप में स्थापित करता है, जो दोनों क्षेत्रों के लिए समावेशी, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार विकास की नींव रखता है। मोदी सरकार ने सिर्फ़ विकसित देशों के साथ ही व्यापार समझौते किए हैं, जो कपड़ा, जूते, रत्न और आभूषण, और हस्तशिल्प जैसे भारत के प्रमुख रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्रों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। यह यूपीए शासन से बिल्कुल उल्टा है उन्होंने प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के साथ समझौतों में जल्दबाजी की और अक्सर भारत को मिलने वाले लाभ की तुलना में कहीं अधिक रियायतें दीं।

इसके अलावा, इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि यूपीए सरकार ने व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करने से पहले हितधारकों के साथ कोई सार्थक बातचीत की थी। इसके विपरीत, मोदी सरकार ने अर्थशास्त्रियों, औद्योगिक निकायों, विशेषज्ञों और कई सरकारी विभागों एवं मंत्रालयों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद ही मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। परिणामस्वरूप, मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक व्यापार समझौते को उद्योगों से व्यापक सराहना मिली है। मोदी सरकार द्वारा संपन्न प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते ने दोनों पक्षों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं और भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार किया है। इन समझौतों ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनने की दिशा में उसकी यात्रा को तेज़ किया है।

यूपीए के कार्यकाल के दौरान, यूरोपीय संघ सहित विकसित देशों की भारत में रुचि कम हो गई थी, क्योंकि आर्थिक विकास धीमा हो गया था, मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर बनी हुई थी और व्यापार का माहौल निराशाजनक था। तब भारत ने ऐसे लाभप्रद व्यापार समझौतों के मूल्यवान अवसर गंवा दिए, जो विकास को गति दे सकते थे और रोजगार पैदा कर सकते थे।

मोदी सरकार द्वारा संपन्न अन्य व्यापार समझौतों के साथ, भारत-ईयू एफटीए, ढुलमुल और निर्णायक नेतृत्व के बीच के अंतर को रेखांकित करता है। जहाँ पहले की सरकारें हिचकिचाती थीं और घुटने टेकती थीं वहीं मोदी सरकार ने बदलाव लाने वाला एक ऐसा समझौता किया है जो बाजारों का विस्तार करने के साथ साथ रोजगार पैदा करता है और भारत के मुख्य हितों की रक्षा करता है। यह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे मजबूत नेतृत्व और रणनीतिक स्पष्टता नए अवसरों के दरवाजे खोल सकती है, जो देश को समृद्धि के रास्ते पर ले जा सकते हैं।

आम आदमी पार्टी का सरकारी स्कूलों को पार्टी के रंग में रंगने का फैसला शर्मनाक : परगट सिंह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पूर्व शिक्षा मंत्री और विधायक परगट सिंह ने आम आदमी पार्टी पर बेशर्मी की सभी हदें पार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आरएसएस-भाजपा लंबे समय से युवा दिमागों पर अपनी विचारधारा थोपने के लिए शिक्षण संस्थानों का भगवाकरण कर रहे हैं। अब उसी रास्ते पर चलते हुए आम आदमी पार्टी ने पंजाब के सरकारी स्कूलों को अपनी पार्टी के झंडे के रंगों में रंगने का आदेश दिया है। जोकि बेहद शर्मनाक फैसला है। यह शिक्षा के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सरकार को अपना तानाशाही फरमान वापिस लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और अच्छे माहौल व अध्यापक उपलब्ध करवाने की बजाए स्कूलों को पार्टी के रंग में रंगने का काम करना शिक्षा और बच्चों की आजादी पर हमला है। कांग्रेस पार्टी इसे होने नहीं देगी और पंजाब के लोग इस फैसले को बर्दाश्त नहीं करेंगे। शिक्षा को राजनीति से दूर रखना सरकारों की जिम्मेदारी होती है।

पंजाब सरकार ने 852 सरकारी मिडल, हाई और सीनियर सैकेंडरी स्कूलों को रंग-रोगन के नाम पर अपनी पार्टी के रंग में रंगने का आदेश जारी कर दिया है। सरकार ने जारी आदेश में साफ तौर पर पार्टी के दो प्रमुख रंगों का कलर कोड तक स्पष्ट रूप से बताया है। ताकि पार्टी के झंडे का रंग सभी स्कूलों पर एक जैसे दिखे। रंग रोगन के लिए इन सभी स्कूलों पर 17.44 करोड़ रुपए खर्च का अनुमान रखा गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के जिला संगरूर में सबसे ज्यादा 102 स्कूलों को चुना गया है, जबकि इनके अलावा लुधियाना से 70, अमृतसर के 84, पटियाला व फाजिल्का के 63-63 स्कूल शामिल हैं। वहीं जालंधर से सिर्फ 40 स्कूल शामिल किए गए हैं। बहुत सारे जिलों में कुछ ही स्कूलों को शामिल किया गया है।

परगट सिंह ने चेताया कि सरकारी स्कूल किसी पार्टी की नहीं बल्कि राज्य की संपत्ति है। स्कूल और स्टूडेंट्स को आम आदमी पार्टी अपने राजनीतिक प्रोपेगेंडे का हथियार बना रही है। बच्चों और शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक प्रभाव में लाकर किसी पार्टी की पहचान थोपने की कोशिश करना सीधे तौर पर शिक्षा पर हमला है। राजनीतिक रंगों में रंगना बच्चों की आजाद सोच और शिक्षा की आजादी पर गंभीर खतरा है।

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/ परियोजना, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा कार अपना मूल/ संशोधित प्रस्ताव निर्धारित समापन समय एवं तिथि तक प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई भी निविदा मैन्युअल रूप से स्वीकार नहीं की जाएगी।

Tender No. & Tender title	Tender No. NR-Proj-UMB-293-leftov-02	अंबाला मंडल के बठिंडा – श्रीगंगानगर खंड में ओएचई संशोधन और पंजकोसी एसएसपी का निर्माण कार्य।		
App. Cost (₹)	**Bid Security (₹)**	**Completion period (Months)**	**Cost of Tender document**	**Date of Closing**
98.68 Lac	1,97,400	12 Month	Nil	27.02.2026 15:30 Hrs

निविदा दस्तावेज रेलवे की वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं और इन्हें वहां से डाउनलोड किया जा सकता है। ई–टेंडरिंग के संबंध में बयाना राशि/ धरोहर राशि जमा (Bid security) और निविदा दस्तावेज लागत (TDC) केवल नेट बैंकिंग और भुगतान गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी। सॉफ्टवेयर (आई. आर.ई.पी.एस.) में बैंक खाता संख्या और तकनीकी विवरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिन तक संभावित पंजीकृत निविदा कर्ताओं को निविदा के समय पहुंच होगी। **नोट:** तकनीकी और वित्तीय पात्रता और अन्य सभी नियम और शर्ते, निविदा दस्तावेज में देखी जा सकती हैं और रेलवे की वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती हैं।

निविदा सूचना क्रमांक: NR/Proj/UMB/Advt./16 **दिनांक: 29.01.2026**

337/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

मासूमियत पर भारी पड़ता 'पढ़ाई का खौफ', फरीदाबाद कांड से सबक लें

हमारे समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि डर, डांट और मारपीट से बच्चे के भीतर कमियों में सुधार लाया जा सकता है। पढ़ाई के मामले में कई बार विद्यालयों और यहां तक कि घर-परिवार में भी इसी तरह के प्रयास किए जाते हैं। हालांकि, शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के दौरान बच्चों के साथ आक्रामक व्यवहार पर कानूनी रूप से पाबंदी है, फिर भी ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं।विद्यालय में अगर किसी बच्चे के साथ मारपीट होती है, तो उसे उम्मीद और भरोसा होता है कि उसके अभिभावक सुरक्षा के लिए आगे आएंगे। मगर जब कोई अभिभावक ही पढ़ाई के लिए अपने बच्चे से मारपीट करने लगे, तो उसे किस तरह की मानसिकता कहा जाएगा। हरियाणा के फरीदाबाद में हाल ही में एक ऐसी ही घटना सामने आई, जिसने सामाजिक एवं पारिवारिक संवेदनाओं और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खबरों के मुताबिक, एक पिता ने अपनी चार वर्षीय बेटी को घर पर पढ़ाते समय पचास तक गिनती न लिख पाने के कारण इस कदर पीटा कि उसकी मौत हो गई। यह गंभीर चिंता का विषय है कि इस तरह की धारणा कैसे बना ली जाती है कि भय या मारपीट से बच्चों में पढ़ने-लिखने की क्षमता बढ़ जाती है। जबकि विभिन्न शोध और अध्ययनों से यह साबित हो चुका है कि किसी भी तरह की आक्रामकता का बच्चों पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे बच्चों में याददाश्त, एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होती है, जिससे वे पढ़ाई में और भी ज्यादा पिछड़ जाते हैं। कई बार बच्चों के भीतर ऐसा खौफ पैदा हो जाता है, जो आगे चलकर अवसाद या अन्य तरह के मनोविकार का कारण बन सकता है। ऐसे में इस बात का खयाल रखना बेहद जरूरी है कि बच्चों को किसी भी रूप में हिंसक प्रवृत्ति का सामना न करना पड़े। अगर कोई बच्चा किसी एक तरीके से नहीं समझ पा रहा है, तो उसे दूसरे मनोवैज्ञानिक तरीके से समझाने की कोशिश की जानी चाहिए, क्योंकि सुरक्षित, स्नेहपूर्ण तथा भय एवं तनावमुक्त माहौल में ही बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास संभव हो पाता है।

अविमुक्तेश्वरानंद प्रायः अपनी विवादित बयानबाजी के कारण चर्चा में रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विवादित बयान दिया देकर इन्होंने बड़ा विवाद खड़ा करने का असफल प्रयास किया था। एक बार स्वामी अविमुकतेश्वरानंद ने कहा था कि राहुल गांधी हिंदू नही हैं उन्हें राम मंदिर नहीं जाने देना चाहिए। इन दिनों विपक्ष उत्तर प्रदेश में दो घटनाओं के माध्यम से अपनी राजनीति साधने के प्रयास में है।

हिन्दुओं को विभाजित करके अपनी राजनीति साधने के प्रयास में विपक्ष

(मृत्युंजय दीक्षित)

पहली घटना वाराणसी के मर्णिकर्णिका घाट के नवीनीकरण के लिए पुरानी प्रतिमाओं तथा कुछ छोटे मंदिरो पर बुलडोजर चलाने की थी जो बाद में फर्जी निकली। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के उपरान्त एआई वीडियो के आधार पर मंदिर तोड़े जाने की अफवाहें फैलाकर राजनैतिक रोटियां सेंकने वाले लोगों जिनमें आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तथा बिहार के सांसद पप्पू यादव शामिल हैं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके बाद भी इस विषय पर स्थानीय स्तर पर राजनीति की जा रही है। समाजवादी पार्टी पीडीए के नाम पर पाल समाज को भड़काकर धरना प्रदर्शन इत्यादि का आयोजन कर रही है। इस मुद्दे पर सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारतीय जनता पार्टी की छवि को आघात पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जमकर प्रयोग कर रही है।

दूसरी घटना प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की है जो विवादों में रहने वाले एक शंकराचार्य के तथाकथित अपमान से जुड़ी है। प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला सफलतापूर्वक चल रहा था उसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेला प्रशासन के नियमों को धता बताते हुए पालकी (बग्घी) में बैठकर अपने भक्तों के साथ संगम नोज पर पहुँचने के लिए अड़ गए। पुलिस बल ने उनको बग्घी न ले जाने का निवेदन किया। उनके भक्तों और पुलिस के बीच विवाद हुआ और उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसके बाद जमकर उपद्रव हो गया। अंततः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ और समाजवादी पार्टी और अन्य विरोधी दलों ने मामले को तुरंत ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए लपक लिया। विभिन्न राजनैतिक दल इस मुद्दे को जिस तरह उठा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि उनको शंकराचार्य या सनातन के सम्मान से कोई लेना देना नहीं है उनका एकमात्र उद्देश्य इस मुद्दे पर हिन्दू मतों का विभाजन करना है। यह भी संभव है कि इस प्रकरण की पटकथा किसी राजनैतिक दल ने ही लिखी हो जो आजकल अविमुक्तेश्वरानंद के निकट दिखाई दे रहा है। राजनैतिक दल तो समय के अनुसार अपने रंग बदलते रहते हैं किन्तु क्या अविमुक्तेश्वरानंद भी यह भूल गए कि जो समाजवादी आज उनका समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने ही कभी उनके ऊपर लाठियां बरसाई थीं और जमीन पर पटक -पटक कर मारा था। उस समय भाजपा ने ही उनकी सुरक्षा व बचाव किया था। आज अविमुक्तेश्वरानंद भाजपा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद प्रायः अपनी विवादित बयानबाजी के कारण चर्चा में रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विवादित बयान दिया देकर इन्होंने बड़ा विवाद खड़ा करने का असफल प्रयास किया था। एक बार स्वामी अविमुकतेश्वरानंद ने कहा था कि राहुल गांधी हिंदू नही हैं उन्हें राम मंदिर नहीं जाने देना चाहिए। जब आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाक के साथ सिंधु जल समझौता निलंबित किया तब उन्होंने कहा था कि यह काम करने के लिए भारत को कम से कम 20 साल लग जाएंगे, इन्होंने वक्फ संशोधन बिल को सौगात-ए-मोदी कहा था। यह काशी कारिडोर का भी विरोध कर चुके हैं। यह शंकराचार्य अभी तक अयोध्या दर्शन करने नहीं गए हैं। यह हिंदू समाज को विभाजित करने वाली राजनैतिक ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर उनके शिकार हो गए हैं।

जिन लोगों के मुंह में तमिलनाडु के द्रमुक नेता सनातन की तुलना डेंगू ,मलेरिया से तुलना उसके उन्मूलन जैसी बातों पर ताला लग जाता है वो भी शंकराचार्य के समर्थन में झंडा उठाए हैं। आज वो लोग अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में खड़े हैं जिन्होंने कुछ दिन पूर्व मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव का समर्थन कर दिया था क्योंकि उस जज ने हिन्दू पक्ष को दीपक जलाने की अनुमति दे दी थी। आज वो हिन्दू सनातन की दुहाई दे रहे हैं जिनहें गाय के गोबर से बदबू आती है। बांग्लादेश में निर्दोष हिन्दुओं की हत्याएं पर पूरा इंडी गठबंधन मौन हो गया। सनातन को अपमानित करने में समाजवदियों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। यह समाजवादी रामचिरत मानस व गीता को अपमानित करते हैं ,इनके विधायक व कार्यकर्ता पवित्र ग्रंथ रामचरित मानस को फाड़ते और जलाते हैं। आज यही लोग शंकराचार्य की आड़ लेकर हिंदू समाज को बांटने की साजिश कर रहे हैं।

प्रयागराज में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटोंगे तो कटोगे का नारा दिया था जिससे समाजवादी व कांग्रेसी काफी परेशान थे कि अगर कहीं हिन्दू पूरी तरह से एकजुट हो गए तो उनकी राजनीति समाप्त हो जाएगी, इसलिए प्रयागराज की धरती पर ही हिन्दू समाज को बांटने की रणनीति बनाई गई और पीडीए की राजनीति करने वाले लोगों ने माघ मेला के पवित्र अवसर को चुना। आम जनमानस की स्मृति बहुत कमजोर होती है और उसे जातीय आधार पर विभाजित किया जा सकता है। इन सभी दलों को यह भी पता है कि जब तक ब्राह्मण समाज व समस्त सवर्ण समाज को विभाजित और भाजपा के प्रति उनके मन में निराशा के भाव नही पनपा जाते हैं तब तक भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ उत्तर प्रदेश में रोकना असंभव है।

समाजवादी पार्टी को पता है कि जब तक हिन्दू धर्म को किसी बड़े विवाद के माध्यम से विभाजित नहीं किया जाएगा तब तक उनका पीडीए शक्तिहीन रहेगा। यही कारण हैं कि जब टीवी चैनलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर चर्चा हो रही थी तब शंकराचार्य की आड़ हिन्दू धर्म में दरार डालने वाली बहस हो रही है। विपक्षी दलों के प्रवक्ता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना बाबर और औरंगजेब जैसे मुगल शासकों से कर रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जितना सम्मान संतो और शंकराचार्यों का किया है उतना किसी ने नहीं किया है। मुख्यंमंत्री ने सनातन धर्म का मान बढ़ाया है। अयोध्या, प्रयाग, काशी, मथुरा, विंन्ध्याचल के उपेक्षित मंदिरो का जीर्णोद्धार करके हिन्दू धर्म का मान बढ़ाया है। ऐसे कर्मयोगी संत के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी अस्वीकार्य है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

परम्परा और प्रगति की झलक के साथ शुरू हुआ संसद का बजट

संसद भवन परिसर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का औपचारिक और भव्य स्वागत हुआ और उनके अभिभाषण के साथ बजट सत्र की शुरुआत हुई। धुंध भरी सुबह में छह घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली पारंपरिक बग्घी से राष्ट्रपति का आगमन हुआ, जो भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और परंपरा का सजीव चित्र था। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गज द्वार पर उनका स्वागत किया। अश्वारोही अंगरक्षक दल और गार्ड ऑफ ऑनर ने इस अवसर को और औपचारिक बनाया।

(नीरज कुमार दुबे)

अभिभाषण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति का भी विशेष उल्लेख रहा। राष्टपति ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्टीय अंतरिक्ष स्टेशन तक यात्रा को ऐतिहासिक शुरुआत बताया और कहा कि आने वाले वर्षों में भारत अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

संसद भवन परिसर में राष्टपति द्रौपदी मुर्मू का औपचारिक और भव्य स्वागत हुआ और उनके अभिभाषण के साथ बजट सत्र की शुरुआत हुई। धुंध भरी सुबह में छह घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली पारंपरिक बग्घी से राष्टपति का आगमन हुआ, जो भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और परंपरा का सजीव चित्र था। उपराष्टपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गज द्वार पर उनका स्वागत किया। अश्वारोही अंगरक्षक दल और गार्ड ऑफ ऑनर ने इस अवसर को और औपचारिक बनाया।

राष्टपति के आगमन से पहले पारंपरिक वेश में लोकसभा के वरिष्ठ मार्शल ने राजदंड को उसके स्थान से उठाया और ड्रम की थाप के बीच जुलूस के रूप में लोकसभा कक्ष तक ले जाया गया। यह दृश्य परंपरा और आधुनिक लोकतंत्र के संगम का प्रतीक बना। इसके बाद राष्टपति ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया और देश की नीतिगत दिशा का व्यापक खाका प्रस्तुत किया।

अपने अभिभाषण में राष्टपति मुर्मू ने विकसित भारत के लक्ष्य को केंद्र में रखते हुए सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी अधिनियम की सराहना करते हुए कहा कि इससे गांवों के विकास को नई गति मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और भ्रष्टाचार तथा लीकेज पर प्रभावी रोक लगेगी। इस कानून के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित होने और किसान, पशुपालक तथा मछुआरों के लिए नई

सुविधाएं विकसित होने की बात कही गई। इस उल्लेख के दौरान विपक्षी सदस्यों ने विरोध किया, लेकिन राष्टपति ने शांत और दृढ़ स्वर में सरकार का पक्ष रखा।

राष्टपति ने कहा कि केंद्र सरकार सच्चे सामाजिक न्याय के लिए समर्पित है और सबका साथ, सबका विकास का दृष्टिकोण जमीन पर परिणाम दे रहा है। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से पौने सात लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लोगों तक पहुंची है। बीते एक दशक में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाने और सामाजिक सुरक्षा के दायरे को 25 करोड़ से बढ़ाकर 95 करोड़ लोगों तक पहुंचाने को उन्होंने सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उनके अनुसार पारदर्शिता और ईमानदारी ने प्रशासन को मजबूत बनाया है और विकास की हर पाई सही जगह खर्च हो रही है। अभिभाषण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति का भी विशेष उल्लेख रहा। राष्टपति ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्टीय अंतरिक्ष स्टेशन तक यात्रा को ऐतिहासिक शुरुआत बताया और कहा कि आने वाले वर्षों में भारत अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गगनयान मिशन पर चल रहे कार्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

भारतीय रेल की उपलब्धियों पर बोलते हुए राष्टपति ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। असम के कामाख्या और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच शुरू हुई इस ट्रेन के साथ ही देशभर में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनों का नेटवर्क बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल सौ प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य के बेहद करीब है और चिनाब पुल तथा पंबन पुल जैसे विश्व स्तरीय ढांचागत निर्माण भारत की इंजीनियरिंग क्षमता का प्रमाण हैं। दिल्ली से आइजोल तक सीधे रेल संपर्क का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे राष्टीय एकता का सशक्त उदाहरण बताया।

देखा जाये तो राष्टपति का अभिभाषण सरकार की प्राथमिकताओं और देश की दिशा का दर्पण होता है। इस बार का संबोधन परंपरा, विकास और आत्मविश्वास का संगम दिखा। संसद भवन में राजदंड के साथ हुआ स्वागत यह संकेत देता है कि आधुनिक भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों को सहेजते हुए आगे बढ़ना चाहता है। यह दृश्य राजनीति से परे लोकतांत्रिक निरंतरता का प्रतीक बना।

वर्ग पहेली 5989

1	2		3		■	4	5
6		■		■	7		
8		9		■	■	10	
	■		■	11	12		
13	14	■	15			■	■
■		■	16		■	17	18
■	19	20	■	21			
22			■		■		■

संकेतः बाएं से दाएं

1. विम्बल्डन टेनिस में अपनी जीत दर्ज कराने वाली प्रथम भारतीय महिला (5)
4. चंद्रमा के पुत्र जो नवग्रहों में से एक है (2)
6. जो भाग्य में लिखा हो, प्रारब्ध (2)
7. प्रेमी, सनम, बलामा (3)
8. झंकृत होना, झंकारना (4)
10. दिन, दिवस (2)
11. रपटन, फिसलाहट, आलुभन (4)
13. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
15. आरूढ, एक संगीत वर्ण (3)
16. दंडादेश, अलंकृत (2)
19. अवाम, पब्लिक, रैयत (2)
21. सन् 2015 की सुपरहिट फिल्मों में से एक (4)
22. मिट्टी खोदने का एक फावडेनुमा औजार (3)

ऊपर से नीचे

1. गुजरात की एक प्रसिद्ध नदी जिसके किनारे अहमदाबाद व गांधीगन जैसे नगर बसे हुए है (5)
2. उपपति, समाधान, निराकण (3)
3. प्राप्त हुआ, उपलब्ध होना, समाविष्ट होना, सादृश्य होना (3)
4. कायर, डरपोक, भीरू (4)
5. जिसके पास अपार संपत्ति हो, रईस, धनपति (4)
9. व्याकरण में वह शब्द जिसके वाक्य पर कर्ता की क्रिया का प्रभाव पड़े, वह जो किया जावे (2)
11. कांच के उद्योग के लिए प्रसिद्ध है उत्तर प्रदेश का यह नगर विशेषतः चूड़ी बनाने के लिए (5)
12. दस्तखत, हस्ताक्षर, हकीकत (2)
14. सरगम फिल्म से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाली अभिनेत्री जो इन दिनों राजनीति में सक्रिय है (4)
15. अग्नि, आंच, अंचति, हुतभोजी (2)
17. कारण, हेतु (3)
18. नकली, कूटकृत, नेट, मैश (2)
20. षड्यंत्र, कूटयुक्ति, पुशपाश (2)

वर्ग पहेली 5988 का हल

अ	नि	ल	अं	बा	नी	■	वि
का	जी	■	ग	ल	■	वि	श्व
ल	■	मो	द	क	■	ला	ना
ग्र	ह	■	■	■	श	प	थ
स्त	न	हा	र	■	मी	■	न
■	न	ल	क	■	म	हु	आ
बु	■	■	मी	ना	■	■	नं
त	स्वी	र	■	म	क	स	द

एआई की जंग में 'ड्रैगन' की छलांग,अलीबाबा के मॉडल से अमेरिका में खलबली

(दिव्यांशी भदौरिया)।

चीन की दिग्गज कंपनी अलीबाबा और मूनशॉट एआई ने क्यूवेन 2मा थिंकिंग और किम2 .5 नामक दो शक्तिशाली एआई मॉडल लॉन्च किए हैं, जो गूगल जेमिनी और ओपनएआई के लिए सीधी चुनौती पेश कर रहे हैं। ये मॉडल एक ट्रिलियन से ज्यादा पैरामीटर्स के साथ जटिल कार्यों को हल करने और कोडिंग को आसान बनाने की क्षमता रखते हैं, जिससे वैश्विक एआई प्रतिस्पर्धा और तेज हो गई है।

एआई की रेस में अब और भी कमाल हो गई है। चीन की दो धांसू कंपनियां,अलीबाबा और मूनसूट एआई ने अपने नए फ्लैगशिप मॉडल्स पेश करें और यह साबित किया है कि वे तकनीकी के मामले में अमेरिका से पीछे नहीं हैं। बता दें कि, ये नए मॉडल्स न सिर्फ स्मार्ट हैं, बल्कि इंसानी काम को और भी आसान बनाने में मदद करते हैं। अलीबाबा क्लाउड ने अपने अब तक के सबसे बड़े मॉडल क्यूवेन 2. थिंकिंग और किम2 .5 को दुनिया के समक्ष पेश किया है। कंपनी ने बताया है कि यह मॉडल मुश्किल कामों को मिनटों में सुलझाने और टूल्स का इस्तेमाल करने में माहिर है। अलीबाबा के रिसर्चर झेंग चुजी के मुताबिक, उन्होंने इसे असल दुनिया के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत से तैयार किया है।

इस मॉडल की सबसे बड़ी खासियत इसकी बेहतर एजेंटिक क्षमता है। इसमें 1 ट्रिलियन से भी ज्यादा पैरामीटर्स हैं। आसान भाषा में कहें तो, जितने अधिक पैरामीटर्स, उतना ही बुद्धिमान एआई। कंपनी ने टेस्टिंग के दौरान पाया है कि यह एआई मॉडल गूगल के जेमिनी एक्स प्रो और एंथ्रोपिक के क्लूड जैसे बड़े तगड़ी टक्कर देगा। इतना ही नहीं, अलीबाबा के निवेश वाली स्टार्टअप कंपनी मूनशॉट एआई ने अपना नया मॉडल किमी के2.5 लॉन्च किया है। इसे दुनिया का सबसे ताकतवर ओपन-सोर्स मॉडल बताया जा रहा है। इसकी सबसे अनोखी खूबी एजेंट स्वार्म है। यह फीचर डेवलपर्स के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि यह एक साथ 100 छोटे एआई एजेंट्स को काम पर लगा सकता है, जिससे कोडिंग जैसे जटिल काम पलक झपकते ही हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, अब कि मी केवल टेक्सट ही नहीं, बल्कि वीडियो और फोटो प्रोसेस कर सकेगा।

चुनौतियां और भविष्य की राह- आपको बताते चलें कि, चीन की ये कंपनियां 10 ट्रिलियन पैरामीटर्स वाले मॉडल्स बनाने का सपना देख रही हैं। लेकिन राह इतनी आसान भी नहीं है। क्यूवेन टीम के लीडर लिन जुनयांग ने इशारा किया कि कंप्यूटिंग पावर और संसाधनों की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, क्योंकि रिसर्च के साथ ही रोजमर्रा की सर्विस को बनाए रखना काफी मुश्किल होता है। इसके बाद भी, चीन के ये नए कदम से पता चलता है कि आने वाले समय में एआई की बादशाहत के लिए मुकाबला और भी कड़ा होने वाला है।

आज का राशिफल

मेष

राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में विरोधी आपके लिए परेशानी पैदा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में निरंतर परिश्रम की आवश्यकता है। सायंकाल के समय अतिथियों के आगमन से खर्चा बढ़ेगा। आज आपके जन्म स्थान से तृतीय चन्द्रमा, तथा द्वादश शनि मंगल, का योग बना हुआ है। अत: प्रयास करके सभी आवश्यक कार्य निपटा लें।

वृष

आज राशि का स्वामी शुक्र-बुध के साथ नवम भाव में कोई नई परेशानी पैदा करेगा। कार्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए खान-पान पर विशेष नियंत्रण रखें। कला व साहित्य में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में किसी बड़े बुजुर्ग के सहयोग से व्यवसाय में प्रगति होगी। सायंकाल से रात्रि तक शुभ कार्य में खर्चा होगा जिससे आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

मिथुन

नवम भाव में कुंभ राशि का राहु और द्वितीय कोष लग्न केन्द्र भाव में बृहस्पति होने के कारण आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। सभी क्षेत्रों में बुद्धि और कौशल का प्रयोग करेंगे तो सफलता मिलेगी। राजनीतिक क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जो असमंजस की स्थिति बनी हुई थी आज समाप्त हो जायेगी।

कर्क

आज नौकरी, व्यवसाय व राजनीतिक क्षेत्र में प्रगति की स्थिति रहेगी। बड़े बुजुर्ग कार्यक्षेत्र में हर प्रकार की मदद करेंगे। खर्चो में कटौती करें नहीं तो कष्ट उठाना पड़ सकता है। कला-क्रीड़ा व साहित्य के क्षेत्र में आ रही बाधा दूर होने की संभावना है। सायंकाल से रात्रि तक पुत्र व पुत्री के लिए विवाह के रिश्ते आएंगे।

सिंह

दिन के पूर्वार्ध में पारिवारिक जीवन में कुछ खटपट रहेगी। साहस व धैर्य से काम लेना होगा, किसी भी कार्य में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में प्रगति की बहुत संभावनाएं हैं। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। लेनदारियां वापिस आने का समय है। सायंकाल में दूर या पास की यात्रा का योग है।

कन्या

आज आपकी राशि का स्वामी बुध पंचम भाव में संचार कर रहा है। राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में तनाव की स्थिति रहेगी। विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम की आवश्यकता है। परिवार में संपति को लेकर भी कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है। सायंकाल के समय व्यापार में कुछ की आशा बंधेगी।

तुला

मिथुन राशि का चन्द्रमा नवम भाग्य भाव केंद्र में आज पराक्रम व धन की वृद्धि करेगा। न्यायालयीय मामलों में विजय होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता के शीर्ष पर पहुंचेंगे। अचल संपति के व्यापार से लाभ होगा। संतान की सफलता के समाचार से आप आनन्दित होंगे। सायंकाल के समय किसी नए कार्य का आरंभ होगा। समाज में सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक

राशि का स्वामी मंगल अपनी उच्च राशि पर और चन्द्रमा मिथुन राशि अष्टम भाव में संचार कर रहा है। एकादश चन्द्र श्री कुर्यात-मन संतोष द्वितीयक' प्रमाण के अनुसार आज आपके प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। व्यवसाय में अच्छे अवसर मिलेंगे। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में परिश्रम, साहस की आवश्यकता है।

धनु

आज आपको संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा। नए-नए खर्चे निकल कर सामने आएंगे। कोई झूठा आरोप भी आप पर लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रि पर्यन्त यात्रा का योग है, उसमें खास कर चौकन्ने रहें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में लाभ होगा। संतान पक्ष से भी संतोषजनक समाचार मिलेगा।

मकर

आपकी राशि का स्वामी शनि तृतीय भाव में और राशि से षष्ठम भाव मिथुन राशि का ही गुरु आज आपको सुव्यवस्था का कोई कार्य सौपेगा। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में नए संपर्क बनेंगे। शिक्षा क्षेत्र में विशेष प्रगति होकर समाज में सम्मान मिलेगा। सिंह राशि वाला कोई व्यक्ति आपके सामने कोई प्रस्ताव रखे तो उसे अस्वीकार कर दें।

कुंभ

चन्द्रमा पंचम भाव में मिथुन राशि पर संचार कर रहा है। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें। व्यय की अधिकता के कारण आज आपको किसी से कर्जा भी लेना पड़ सकता है। पारिवारिक कार्यों में दौड़ धूप रहेगी। आप अपनी कार्यकुशलता से औरों को प्रभावित करेंगे। सायंकाल के समय कोई विशेष कार्य निपट जाने से उत्साह बढ़ेगा।

मीन

राशि का स्वामी कर्क में तथा प्रथम लग्न प्रमुख केन्द्र भाव में राहु राज्य विजय कारक है। आज आप अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। परिवार में भी आपके प्रति प्रेम व आदर की भावना बढ़ेगी। देव, गुरु, ब्राह्मणों के प्रति भक्ति भावना में इच्छित कार्यों की सफलता में चल रहा व्यवधान समाप्त हो जाएगा।

सोना आम आदमी की पहुंच से हुआ दूर

भारत में 11 प्रतिशत घट गई डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। कीमतों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने और उपभोक्ताओं के खरीद व्यवहार में बदलाव के कारण वर्ष 2025 में भारत की सोने की मांग में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गुरुवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सोने की कुल मांग 2025 में गिरकर 710.9 टन रह गई, जो 2024 में 802.8 टन थी। परिषद का अनुमान है कि 2026 में देश में सोने की मांग 600 से 700 टन के बीच रह सकती है। हालांकि, कीमतों में भारी उछाल के कारण मूल्य के संदर्भ में सोने की मांग 30 प्रतिशत बढ़कर 7,51,490 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष यह 5,75,930 करोड़ रुपये थी। डब्ल्यूजीसी ने बताया, वर्ष, 2025 की चौथी तिमाही में सोने की मांग पर ऊंची कीमतों और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार का असर स्पष्ट दिखा। मात्रा के आधार पर इस तिमाही में मांग नौ प्रतिशत गिरकर 241.3 टन रही, लेकिन मूल्य के आधार पर यह 49 प्रतिशत बढ़कर करीब 3,03,470 करोड़ रुपये हो गई। वर्ष 2025 के दौरान आभूषणों की कुल मांग 24 प्रतिशत घटकर 430.5 टन रही, जो 2024 में 563.4 टन थी। हालांकि, मूल्य के लिहाज से यह 12 प्रतिशत बढ़कर 4,54,390 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले साल 4,04,510 करोड़ रुपये रही थी। शादियों के सीजन के बावजूद ऊंची कीमतों और महंगाई के कारण आभूषणों की ब्रि ी में 23 प्रतिशत की कमी आई। 2025 में सोने ने 60 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया और 53 बार सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ।

सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक हुई

वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल सोने की मांग 2025 में 5,002 टन के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 4,961.9 टन थी। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से निवेश मांग में तेज उछाल के कारण हुई, जो 2025 में बढ़कर 2,175.3 टन हो गई जबकि यह 2024 में 1,185.4 टन थी। चालू वित्त वर्ष की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में उपभोक्ता मांग दो प्रतिशत बढ़कर 1,345.3 टन हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,318.5 टन थी।

सर्राफा मार्केट में सोने का भाव 6865 और चांदी का 22825 रुपये टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी का रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद आज उनकी कीमतों में भूचाल है। गुरुवार के बंद भाव के मुकाबले 24 कैरेट सोना आज 6865 रुपये सस्ता हुआ है। वहीं, चांदी ने 22825 रुपये की भारी गिरावट दर्ज की है। जीएसटी समेत चांदी का भाव अब 367877 रुपये प्रति किलो पर आ गया है। जबकि, 24 कैरेट गोल्ड का रेट अब जीएसटी समेत 173529 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं, प्लैटिनम भी 8287 रुपये टूटकर 80465 पर आ चुका है। इस गिरावट के बावजूद इस साल केवल 30 दिनों में चांदी 126743 रुपये महंगी हो चुकी है। जबकि, सोने के भाव 35280 रुपये चढ़ा है। आज चांदी का भाव बिना जीएसटी 357163 रुपये प्रति किलो पर खुला। जबकि, बिना जीएसटी सोने का भाव 168475 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। गुरुवार को चांदी बिना जीएसटी 379988 रुपये पर बंद हुई। इसी तरह सोना बिना जीएसटी 175340 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। यह रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अभी यह रेट दोपहर 12 बजे वाला है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स को मिला 1800 करोड़ का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर इस समय फोकस में हैं। कंपनी को पवन हंस लिमिटेड, नोएडा ने एक बड़ा वर्क ऑर्डर दिया है। पिछले एक साल में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि उन्हें पवन हंस लिमिटेड से 1800 करोड़ रुपये का काम मिला है। इस वर्क ऑर्डर के अनुसार कंपनी को 10 ध्रुव एनजी हेलीकॉप्टर्स सप्लाई करने को कहा है। बता दें, कंपनी को यह वर्क ऑर्डर 2027 में पूरा करना है।

आज शेयरों में गिरावट- बीएसई में आज यह डिफेंस स्टॉक आज 4616.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयरों में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी देखने को मिली थी। लेकिन इसके बाद यह स्टॉक बाजार के चौतरफा गिरावट का शिकार हो गया है। जिसके बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का शेयर 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 4541 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया।

लॉन्ग टर्म में दिया है पॉजिटिव रिटर्न- बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। दो साल में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का शेयर 51 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

चिंताजनक: निर्यात पर बढ़ता नियंत्रण और कार्बन कर व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों के प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक है। भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती एवं रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई औचित्य नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को स्प्रिंट की तरह दौड़ना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से बृहस्पतिवार को संसद में पेश आर्थिक समीक्षा 2025-26 में कहा गया है कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है,

जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आ्र ामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है। साथ ही, आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। हालांकि, स्वदेशीकरण के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण को लेकर यह स्पष्टता आवश्यक है कि हस्तक्षेप कब दीर्घकालिक क्षमता का निर्माण करता है और कब यह सिर्फ अक्षमता को बनाए रखता है।

चीन पर आयात निर्भरता में कमी- आर्थिक समीक्षा में आगे कहा गया है, सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए। पीएम नरेंद्र मोदी ने बार-बार लोगों और उद्योगों दोनों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया है।

यूरोपीय संघ के साथ एफटीए से भारतीय निर्यातकों को मिलेगा बड़ा बाजार: मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी। मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौता भारत को अपने व्यापारिक संबंधों में विविधता लाने में मदद करेगा। साथ ही अमेरिकी शुल्कों के कारण बढ़ती अनिश्चितता के बीच निर्यातकों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलेगी। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार

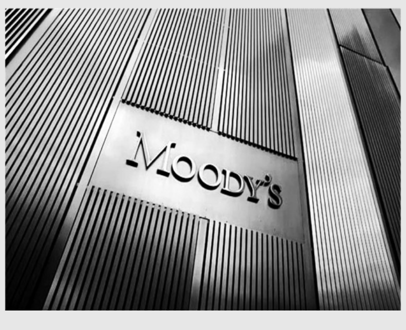

समझौते (एफटीए) की घोषणा 27 जनवरी को की गई थी। इसके इसी साल हस्ताक्षरित और लागू होने की संभावना है। मूडीज ने कहा, भारत के लिए, यह समझौता व्यापारिक संबंधों को चुनिंदा रूप से विविधतापूर्ण बनाने के उसके प्रयासों को दर्शाता है। साथ ही यह अमेरिका के शुल्क बढ़ाने से पैदा होने वाली व्यापारिक अस्थिरता के खिलाफ बचाव प्रदान करता है। इसमें कहा गया कि यूरोपीय संघ के लिए यह समझौता तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार तक पहुंच बढ़ाकर आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एफटीए लागू होने के बाद यह व्यापार की मात्रा बढ़ाने, व्यापार प्रवाह के विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और स्थिर बाजार पहुंच देने में मदद करेगा और यह दोनों पक्षों की साख के लिए

आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट यूजर्स को झटका

1 फरवरी से बंद हो जाएंगी सर्विसेज?

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आईसीआईसीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं और मूवी टिकट, ट्रैवल या डिजिटल पेमेंट्स से जुड़े बेनिफिट्स का फायदा उठाते रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए अहम है। आईसीआईसीआई बैंक 1 फरवरी 2026 से अपने क्रेडिट कार्ड नियमों में बड़े बदलाव करने जा रहा है। इन बदलावों के तहत कुछ लोकप्रिय सुविधाएं पूरी तरह बंद होंगी, जबकि कुछ ट्रांजैक्शंस पर नई शर्तें और अतिरिक्त शुल्क लागू किए जाएंगे। बैंक के मुताबिक, इन संशोधनों का उद्देश्य रिवॉर्ड स्ट्रक्चर को री-अलाइन करना है लेकिन इसका असर लाखों कार्डधारकों की जेब पर पड़ सकता है। आईसीआईसीआई बैंक ने कुछ चुनिंदा डिट कार्ड्स पर मिलने वाला फ्री मूवी टिकट बेनिफिट खत्म करने का फैसला किया है।

- **इंश्योरेंस और ट्रांसपोर्ट खर्च पर रिवॉर्ड जारी-** हालांकि, सभी सुविधाएं खत्म नहीं की गई हैं। आईसीआईसीआई बैंक एचपीसीएल सुपर सेवर केडिट कार्ड धारकों को इंश्योरेंस पेमेंट पर पहले की तरह रिवॉर्ड पॉइंट्स मिलते रहेंगे लेकिन इसकी सीमा 40,000 रुपए तक तय की गई है। इसके अलावा, ट्रांसपोर्ट मर्चेंट कैटेगरी में किए गए खर्च पर भी कार्ड के प्रकार के अनुसार 10,000 से 40,000 रुपए तक रिवॉर्ड पॉइंट्स

अर्जित किए जा सकेंगे।

- **ट्रांसपोर्ट ट्रांजेक्शन भी होंगे महंगे-** ट्रांसपोर्ट से जुड़े बड़े भुगतान पर भी अब अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा। यदि ट्रांसपोर्ट मर्चेंट कैटेगरी में 50,000 रुपए से अधिक का लेनदेन किया जाता है, तो उस पर 1 प्रतिशत एक्स्ट्रा फीस वसूली जाएगी।
- **क्या करें कार्डधारक-** विशेषज्ञों का कहना है कि आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड यूजर्स को 1 फरवरी 2026 से पहले अपने कार्ड के बेनिफिट्स और चार्ज स्ट्रक्चर की समीक्षा कर लेनी चाहिए, ताकि अतिरिक्त खर्च से बचा जा सके।

स्विगी को 1,065 करोड़ का घाटा

शेयर 7 प्रतिशत से अधिक टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विगी के शेयर शु वार को शुरुआती कारोबार में 7 प्रतिशत से अधिक की लुढ़क गए। यह गिरावट कंपनी के वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में नेट लॉस बढ़ने की वजह से आई है। बीएसई पर स्विगी के शेयर 7.68 प्रतिशत गिरकर 302.25 रुपये प्रति शेयर पर आ गए। फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी ने दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 1,065 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड नेट लॉस दर्ज किया। यह घाटा पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 799 करोड़ रुपये के नुकसान से अधिक है। हालांकि, कंपनी का तीसरी तिमाही में परिचालन राजस्व साल-दर-साल 54 प्रतिशत बढ़कर 6,148 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 3,993 करोड़ रुपये था। समेकित समायोजित ईबीआईटीडीए घाटा 712 करोड़ रुपये रहा।

- **फूड डिलीवरी बिजनेस का प्रदर्शन-** स्विगी के फूड डिलीवरी बिजनेस का ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू साल-दर-साल 20.5 प्रतिशत बढ़कर 8,959 करोड़ रुपये हो गया। फूड डिलीवरी के मासिक ट्रांजैक्शन यूजर्स में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.81 करोड़ पर पहुंच गए। समायोजित ईबीआईटीडीए मार्जिन भी सुधरकर जीओवी का 3.0 प्रतिशत हो गया।
- **इंस्टामार्ट की स्थिति-** स्विगी के क्विक-कॉमर्स बिजनेस, इंस्टामार्ट का ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू साल-दर-साल 103.2 प्रतिशत और तिमाही-दर-तिमाही 13 प्रतिशत बढ़कर 7,938 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इस सेगमेंट ने दिसंबर तिमाही में 908 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया। इसका समायोजित ईबीआईटीडीएमार्जिन पिछले -12.1 प्रतिशत से सुधरकर -11.4 प्रतिशत हो गया।

- **ब्रोकरेज फर्मों ने घटाया टार्गेट प्राइस-** ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज का मानना है कि आ्र ामक प्रतिस्पर्धा के कारण इंस्टामार्ट के क्विक कॉमर्स में निकट अवधि की वृद्धि कम हो सकती है। फर्म ने स्विगी के शेयरों पर खरीद की सिफारिश को दोहराते हुए टार्गेट प्राइस घटाकर 440 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा कि स्विगी का फूड डिलीवरी बिजनेस वृद्धि में तेजी दिखा रहा है जबकि लाभप्रदता में लगातार सुधार हो रहा है। नुवामा ने भी खरीद की रेटिंग बरकरार रखते हुए टारगेट प्राइस को 510 रुपये से घटाकर 490 रुपये प्रति शेयर कर दिया है।
- **शेयर प्राइस प्राइस हिस्ट्री-** स्विगी के शेयर की कीमत एक महीने में 21 प्रतिशत और तीन महीने में 27 प्रतिशत से अधिक गिर चुकी है। छह महीने और एक साल में इस शेयर में 24-24 प्रतिशत की गिरावट आई है। सुबह 10ः34 बजे तक, स्विगी का शेयर एनएसई पर 6.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 306.30 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था।

2 दिन में 13 गुना सब्सक्रिप्शन, जीएमपी दिखा रहा है 20 प्रतिशत का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसेफ इक्विपमेंट आईपीओ पर दांव लगाने का आखिरी मौका आज है। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। यह आईपीओ ग्रे मार्केट में भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है।

जिसकी वजह से निवेशकों को पहले दिन ही लिस्टिंग गेन की उम्मीद है। एमसेफ इक्विपमेंट्स आईपीओ को 13.56 गुना सब्स्र ाइब किया गया है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 15.15 गुना, क्यूआईबी में 0.81 गुना सब्स्र ाइब किया गया है। वहीं, एनआईआई में 26.65 गुना सब्स्र ाइब किया गया है।

कितना है जीएमपी

इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 25 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जो 20 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। मौजूदा जीएमपी 148 रुपये पर लिस्टिंग के संकेत दे रहा है। बता दें, आईपीओ ग्रे मार्केट में सबसे अच्छी स्थिति में है। आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 25 रुपये और सबसे कम जीएमपी 07 रुपये है।

भारत दुनिया का पावरहाउस

135 अरब डॉलर रेमिटेंस, 701 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती का लोहा एक बार फिर मनवाया है। इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार भारत ना केवल दुनिया का सबसे बड़ा रेमिटेंस हासिल करने वाला देश बना हुआ है, बल्कि विदेशी मुद्रा भंडार भी रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंच गया है।

2024-25 में भारत को कुल 135.4 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। सबसे बड़ी बात यह रही कि अब भारत आने वाले पैसे में विकसित देशों की हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस बात से पता चलता है कि विदेशों में भारतीय स्किल और प्रोफेशनल वर्कर्स की मांग और कमाई दोनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है।

701.4 अरब डॉलर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार- भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 16 जनवरी तक 701.4 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया।

14 अरब डॉलर का डिजिटल निवेश

विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी वैश्विक आर्थिक समस्या से निपटने के लिए एक लिक्विडिटी बफर देता है। दक्षिण एशिया में भारत के अंदर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जबरदस्त तरीके से आया है। देश ने निवेश के मामले में इंडोनेशिया और वियतनाम को भी पीछे छोड़ दिया। ग्रीनफील्ड निवेश की बात करें तो 2024 में 1,000 से ज्यादा नई परियोजनाओं के साथ भारत दुनिया में चौथे स्थान पर रहा। डिजिटल निवेश के लिए 2020-24 के बीच भारत में 114 अरब डॉलर का सबसे ज्यादा डिजिटल निवेश आया।

बाहरी कर्ज भी अन्य देशों से कम

दुनिया के कई देश इस समय कर्ज संकट से जूझ रहे हैं, वहीं भारत की स्थिति बहुत अच्छी है। देश पर बाहरी कर्ज एवं जीडीपी का रेश्यो सिर्फ 19.2 प्रतिशत है और कुल कर्ज का 5 फीसदी से भी कम है। निर्यात बढ़ाने के लिए विनिर्माण लागत को कम करना होगा। नवाचार, उत्पादकता के साथ देश की मुद्रा और जीडीपी को मजबूत किया जा सकता है।

भारत बनेगा दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले एक दशक में भारतीय आसमान की तस्वीर पूरी तरह बदलने वाली है। विमान बनाने वाली दुनिया की दिग्गज कंपनी एयरबस ने भविष्यवाणी की है कि साल 2035 तक भारत में कमर्शियल विमानों की संख्या तीन गुना बढ़कर 2,250 हो जाएगी। हैदराबाद में चल रहे विंग्स इंडिया 2026 कार्य्र म के दौरान एयरबस ने यह रिपोर्ट जारी की है, जिसके मुताबिक भारत जल्द ही दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन बाजार बनने जा रहा है।

इस ऐतिहासिक विस्तार के पीछे सबसे बड़ी वजह भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था है। एयरबस का मानना है कि जी-20 देशों में भारत की विकास दर सबसे तेज है और सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारी खर्च कर रही है, जिससे हवाई सफर की मांग बढ़ रही है। रिपोर्ट में एक दिलचस्प आंकड़ा यह भी दिया गया है कि आम भारतीयों के व्यवहार में बदलाव आ रहा है। अगले दस वर्षों में प्रति व्यक्ति हवाई यात्रा का औसत 0.13 से बढ़कर 0.29 होने की उम्मीद है। इसी वजह से भारत में हवाई यात्रियों की संख्या हर साल 8.9 फीसदी की दर से बढ़ेगी, जो दुनिया की किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था के मुकाबले सबसे तेज रफ्तार होगी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये दो पैकेट प्रणाली के अन्तर्गत ई-निविदा प्रणाली द्वारा खुली निविदा आमन्त्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम एवं स्थान	राजपुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास, जिसमें आवागमन क्षेत्र का विकास, प्लेटफार्मों का उन्नयन, नया स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, पार्किंग आदि शामिल हैं।
2	अनुमानित/निदेशात्मक परियोजना लागत	रुपये 1719.98 लाख
3	कार्य निष्पादन की अवधि	12 (बारह) माह
4	जमा की जाने वाली जमानती राशि	रुपये 10,10,000.00
5	ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खुलने की तिथि और समय	निविदा दस्तावेज 11:30 बजे दिनांक 03.02.2026 से 24.02.2026 तक आईआरईपीएस की वेबसाईट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
6	निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि/समय	24.02.2026 को 11:30 बजे तक, निविदाकर्ता द्वारा 09.02.2026 से 24.02.2026 तक आईआरईपीएस की वेबसाईट अर्थात www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज अपलोड की जा सकती है।
7	ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय	11:30 बजे दिनांक 24.02.2026 को खोली जाएगी। उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी विस्तृत सूचना देखी जा सकती है।

टेन्डर नोटिस सं. :- 126-डब्ल्यू/उप.मु.अभि./नि./अ.छा./2025-26 दिनांकः 30.01.2026

342/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी द्वारा ई-नीलामी की जाएगी जिसका विवरण सारणीबद्ध है।

क्र सं.	कैटगरी एवं विवरण	ई-कैटलॉग	रेलवे स्टेशन के नाम	रेलवे स्टेशन के नाम
1	07 रेलवे स्टेशन पर, पे एवं यूज शौचालय के संचालन एवं रख - रखाव के ठेका	UMB-PnUToi-0226	शिमला (PF No-1A), अबोहर, संगरूर, अम्बाला सिटी, कालका अम्बन्दौरा एवम् राजपुरा	09.02.2026 को 12:00 बजे

ई-नीलामी लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जाये।

345/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

माघ पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी इन उपाय से होंगी प्रसन्न

1 फरवरी को है माघ मास का अंतिम दिन माघ पूर्णिमा। इस दिन स्नान, दान और तर्पण का खास महत्व होता है। इस दिन खास उपाय करके माता लक्ष्मी को प्रसन्न किया जा सकता है।

- **स्नान :**
  पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु सहित देवी लक्ष्मी की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है।
- **मंत्र जाप :**
  पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। माघ माह में श्रीहरि भगवान विष्णु की माता लक्ष्मी के साथ पूजा करना चाहिए। इससे घर में सुख, शांति, धन और समृद्धि बनी रहती है।
- **पीली सामग्री करें दान :**
  इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित कर खीर का भोग लगाने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **दीपदान :**
  माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। तुसली के नीचे घी का दीया जलाने से भी मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- **श्रीसूक्त का पाठ :**
  माघ पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी की विधिवत पूजा करके श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होकर जातक को आशीर्वाद देती हैं।

माघ पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान से मिलती है भगवान श्री विष्णु की कृपा

ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है।

दान का मिलता 32 गुना फल

माघ पूर्णिमा के दिन दान-दक्षिणा देने से 32 गुना फल मिलता है। इसलिए इसे माघी पूर्णिमा के अलावा बत्तिसी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन कंबल, वस्त्र, तिल, अन्न, घी, नमक, गुड़, पांच तरह के अनाज, गाय आदि का दान करने से हजार गुना पुण्य की प्राप्ति होती है। दान करने से सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और जातक मोक्ष को प्राप्त करता है।

माघ कृष्ण द्वादशी को यम ने तिलों का निर्माण किया और दशरथ ने उन्हें पृथ्वी पर लाकर खेतों में बोया था। अतएव मनुष्यों को उस दिन उपवास रखकर तिलों का दान कर तिलों को ही खाना चाहिए। माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है। पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है। पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं। माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को खीर अर्पित करने से चंद्रदेव की कृपा प्राप्त होती है।

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान, दान और तर्पण का महत्व

1 फरवरी को है माघ पूर्णिमा। माघ पूर्णिमा के दिन निम्नलिखित 5 कार्य करने से पापों का नाश होता है और धन लाभ होता है।

- **स्नान का महत्व** : ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए।
- **दान का महत्व** : इस दिन दान-दक्षिणा का बत्तीस गुना फल मिलता है। इसलिए इसे माघी पूर्णिमा के अलावा बत्तिसी पूर्णिमा भी कहते हैं।
- **तर्पण का महत्व** : माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

फायदे

- स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाम हो जाता है।
- दान करने से सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और जातक मोक्ष को प्राप्त करता है।
- पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है।
- पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को खीर अर्पित करने से चंद्रदेव की कृपा प्राप्त होती है।

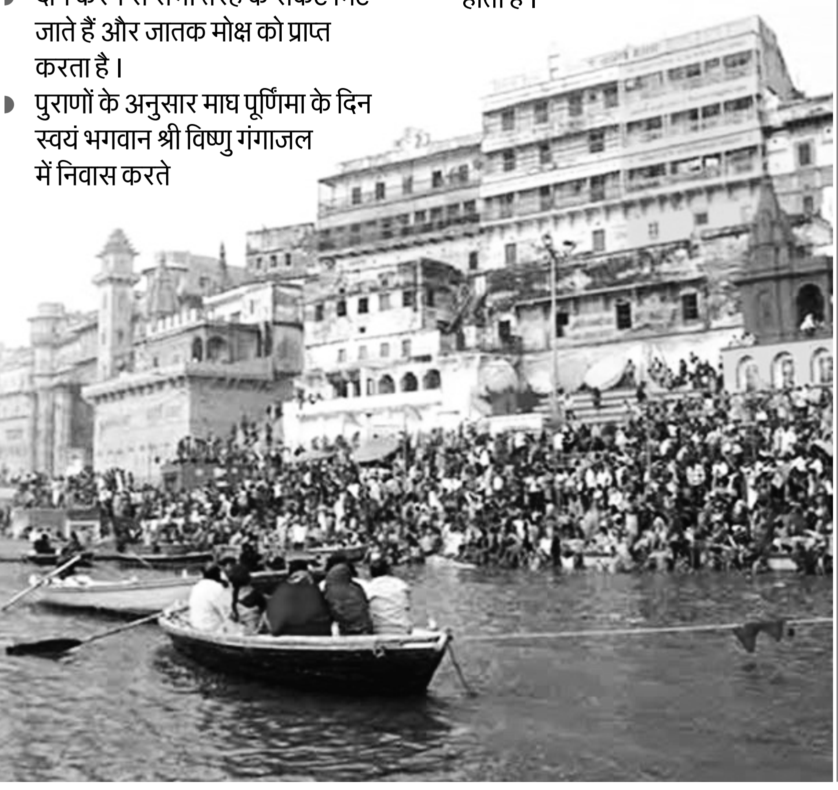

माघ पूर्णिमा के दिन धरती पर आते हैं देवता

माघी पूर्णिमा के दिन संगम पर माघ-मेले में जाने और स्नान करने का विशेष महत्व है। पुराणों के अनुसार माघ माह में पूर्णिमा के दिन देवता धरती पर आते हैं और गंगा में स्नान करते हैं। इस शुभ संयोग में दान-पुण्य और मंत्र से करें उन्हें प्रसन्न।

ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए क्योंकि मान्यता है इस माह में सभी नदियों का जल गंगा के समान पवित्र हो जाता है। स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाशो जाता है। पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है। माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

माघ पूर्णिमा का मंत्र

पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं।

- ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नम:।'
- ऊँ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मी नम:।।
- ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन धान्याधिपतये, धन धान्य समृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।।'
- ऊँ विष्णवे नम:। ऊँ हूं विष्णवे नम:।
  ऊँ नमो नारायण।
  ऊँ वासुदेवाय नम:।
- ऊँ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात।।
- ऊँ शिवाय नम:।
- ऊँ सों सोमाय नम:।
- ऊँ श्रां श्रीं श्रौं चन्द्रमसे नम:।
- ऊँ स्रां स्रीं स्रौं स: चन्द्रमसे नम:।

स्नान मंत्र

ऊँ गङ्गे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदे सिंधु कावेरी जलेस्मिन सन्निधिं कुरु।।
श्लोकार्थ : गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा माँ, सिंधु और माँ कावेरी। आप सभी तीर्थ मेरे पानी में आइए में आपका आवाहन करता हूं। मेरे इस पानी को पवित्र जल बनाओ ताकि में इसमें स्नान कर अपने सभी पापों का विनाश कर सकूं।

अच्छी सेहत के लिए जरूरी है हवन

कई शोध ये बात साबित कर चुके है कि हवन न केवल वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने हैं, बल्कि अच्छी सेहत के लिए भी जरूरी है। हवन के धुएं से प्राण में संजीवनी शक्ति का संचार होता है। हवन के माध्यम से बीमारियों से छुटकारा पाने का जिक्र ऋग्वेद में भी है। हवन के लिए पवित्रता की जरूरत होती है ताकि सेहत के साथ उसकी आध्यात्मिक शुद्धता भी बनी रहे। हवन करने से पूर्व स्वच्छता का ख्याल रखें। हवन के लिए आम की लकड़ी, बेल, नीम, पलाश का पौधा, कलीगंज, देवदार की जड़, गूलर की छाल और पत्ती, पीपल की छाल और तना, बेर, आम की पत्ती और तना, चंदन की लकड़ी, तिल, जामुन की कोमल पत्ती, अश्वगंधा की जड़, तमाल यानि कपूर, लौंग, चावल, ब्राम्ही, मुलैठी की जड़, बहेड़ा का फल और हर्रे तथा घी, शकर जौ, तिल, गुगल, लोभान, इलायची एवं अन्य वनस्पतियों का बूरा उपयोगी होता है। हवन के लिए गाय के गोबर से बनी छोटी-छोटी कटोरियां या उपले घी में डूबो कर डाले जाते हैं। हवन से हर प्रकार के 94 प्रतिशत जीवाणुओं का नाश होता है, अत: घर की शुद्धि तथा सेहत के लिए प्रत्येक घर में हवन करना चाहिए। हवन के साथ कोई मंत्र का जाप करने से सकारात्मक ध्वनि तरंगित होती है, शरीर में ऊर्जा का संचार होता है, अत: कोई भी मंत्र सुविधानुसार बोला जा सकता है।

माघ पूर्णिमा के दिन इन दो चीजों को जल में मिलाकर करें स्नान, मिलेगा शाही स्नान जितना फल

माघ पूर्णिमा को सभी पूर्णिमा तिथि में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। यह पूर्णिमा सुख-समृद्धि और उत्तम फलदायी माना जाता है। अब ऐसे में अगर आप माघ पूर्णिमा के दिन सुख-समृद्धि पाना चाहते हैं तो इस दिन स्नान करने के दौरान जल में दो चीजों को डालकर स्नान करना चाहिए।

हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का बहुत अधिक महत्व है। यह तिथि भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी और चंद्र देव को समर्पित है। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। कई लोग इस दिन सत्यनारायण भगवान की पूजा भी करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान और दान-पुण्य करने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। अब ऐसे में इस दिन नहाने के पानी में दो चीजें ऐसी है। जिसे डालकर नहाने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

माघ पूर्णिमा के दिन नहाने के पानी में दूध डालकर करें स्नान

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और पापों का नाश होता है। यदि आप नदी में स्नान नहीं कर सकते हैं, तो घर पर ही पानी में गंगाजल और दूध मिलाकर स्नान कर सकते हैं। दूध को चंद्रमा का कारक माना जाता है। माघ पूर्णिमा के दिन दूध डालकर नहाने से चंद्रमा मजबूत होता है, जिससे मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त होती है। आपको बता दें, दूध में शांत और शीतल गुण होते हैं। दूध डालकर नहाने से मन शांत होता है और तनाव कम होता है। माघ पूर्णिमा के दिन स्नान का सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त होता है। ब्रह्म मुहूर्त सूर्योदय से पहले का समय होता है। इस समय स्नान करने से विशेष फल प्राप्त होता है।

माघ पूर्णिमा के दिन नहाने के पानी में शहद डालकर करें स्नान

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान के पानी में शहद मिलाकर नहाना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सौभाग्य में वृद्धि होती है। धार्मिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गंगा नदी में स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यदि आप गंगा नदी में स्नान करने नहीं जा सकते हैं, तो आप घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल और शहद मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

न्यूज डायरी

जियो-बीपी ने इंजन-क्लीनिंग एक्टिव टेक्नोलॉजी लॉन्च की

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, श्री हरदीप सिंह पुरी ने आज गोवा में इंडिया एनर्जी वीक 2026 के दौरान जियो-बीपी के स्टाल का दौरा किया, जहां क्रांतिकारी एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल प्रदर्शित किया गया था। जियो-बीपी का एक्टिव पेट्रोल इंजन के महत्वपूर्ण हिस्सों को साफ करने, इंजन की क्षमता को बहाल और सुरक्षित रखने, और वाहन चालकों को सामान्य पेट्रोल की तुलना में सालाना लगभग 100 किमी* तक अधिक दूरी तय करने में मदद करने के लिए बनाया गया है। और यह सब बिना किसी अतिरिक्त कीमत के उपलब्ध है।जियो-बीपी का एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल आम वाहन चालकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह स्मूथ ड्राइविंग, हर टैंक से ज्यादा किलोमीटर और इंजन को साफ व सुरक्षित रखने में मदद करता है, वह भी बिना किसी अतिरिक्त लागत के। इस क्रांतिकारी उत्पाद पर बात करते हुए जियो-बीपी के चेयरमैन श्री सार्थक बेहुरिया ने कहा, "भारतीय वाहन चालक ऐसे फायदे चाहते हैं जो रोजमर्रा में साफ दिखाई दें—जैसे स्मूथ चलने वाला इंजन, ज्यादा भरोसेमंद परफॉर्मेंस, कम मेंटेनेंस और उसी ईंधन खर्च में ज्यादा किलोमीटर। जियो-बीपी एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ हम ऐसा पेट्रोल लेकर आए हैं जो चलते-चलते इंजन को साफ करता है और नुकसानदायक जमाव को हटाने में मदद करता है। "हमारा उद्देश्य उन्नत फ्यूल टेक्नोलॉजी को सभी के लिए सुलभ बनाना है, ताकि हाई-परफॉर्मेंस इंजन सफाई को एक मानक सुविधा के रूप में उपलब्ध कराया जा सके और पूरे भारत के ग्राहक हर दिन इसका लाभ उठा सकें।इस पर आगे बोलते हुए, जियो-बीपी के सीईओ श्री अक्षय वाधवा ने कहा, "आज गोवा में आयोजित इंडिया एनर्जी वीक 2026 में हमने दो मोटरसाइकिलें एक साथ प्रदर्शित की हैं—एक जो एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल पर चली है और दूसरी जो सामान्य पेट्रोल पर।

कुलभूषण गोयल बजट कार्यक्रम प्रमुख नियुक्त, लोगों को देंगे जानकारी

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 1 फरवरी 2026 को प्रस्तुत होने वाले देश के आम बजट के लाभों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के तहत पार्टी के प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई है, जो शहरों, गांवों और कॉलोनियों में जाकर आम लोगों को बजट की प्रमुख विशेषताओं और उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी देंगे।

पंचकूला में इन कार्यक्रमों के लिए पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल को कार्यक्रम प्रमुख नियुक्त किया गया है। उनके साथ भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष नरिंद्र लुबाना को भी यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति के बाद कुलभूषण गोयल ने कहा कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने इस विश्वास के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

कुलभूषण गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए बजट प्रस्तुत किए हैं और इस बार का बजट भी जनकल्याणकारी होगा। उन्होंने बताया कि बूथ स्तर तक पहुंचकर लोगों को बजट की योजनाओं, प्रावधानों और लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी, ताकि हर वर्ग तक बजट का संदेश प्रभावी रूप से पहुंच सके।

सिरसा कष्ट निवारण समिति बैठक में 15 में से 11 शिकायतों का निपटारा, दो अधिकारी निलंबित – अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने बताया कि आज सिरसा में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में कुल 15 शिकायतें एजेंडे में रखी गई थीं, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि 4 शिकायतों को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

उल्लेखनीय है कि बैठक के दौरान एक गंभीर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए श्री विज ने दो अधिकारियों को निलंबित करने के निर्देश दिएं, जबकि संबंधित दोषियों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज करने के आदेश भी किए गए हैं। ऊर्जा मंत्री बैठक की अध्यक्षता करने के उपरांत मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। कालुआना गांव, सिरसा में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई से संबंधित शिकायत पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री विज ने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट में पुष्टि की है कि 31 पेड़ अतिरिक्त रूप से काटे गए हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि बैठक के दौरान फरियादी द्वारा लगाए गए 51 पेड़ों की कटाई के आरोपों पर गंभीरता से सुनवाई करते हुए जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता तथा वन विभाग के डीएफओ को निलंबित करने के निर्देश दिए गए।

फिज़िक्सवाला ने पूरे भारत में कक्षा 10 के सीबीएसई छात्रों के लिए मुफ्त डाउट हल करने में मदद और मॉक प्रीबोर्ड्स की घोषणा की

अम्बाला । शिक्षा कंपनी फिज़िक्सवाला(पीडब्ल्यू) ने कक्षा 10 के सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में भाग लेने वाले छात्रों की मदद के लिए एक योजना शुरू की है। इसमें देश के सभी छात्र मुफ्त डाउट हल करने में विशेषज्ञों की मदद ले सकते हैं। यह योजना सिर्फ पीडब्ल्यू के छात्रों के लिए नहीं, बल्कि देश के किसी भी कक्षा 10 के छात्र के लिए खुली है। इसका उद्देश्य परीक्षा के समय पढ़ाई का तनाव कम करना है।पीडब्ल्यू देशभर में विज्ञान और गणित के लिए ऑफ़लाइन प्रीबोर्ड भी करवाएगा ताकि छात्रों की तैयारी मजबूत हो सके। ये परीक्षा पीडब्ल्यू के विध्यापीठ, पाठशाला और ट्यूशन सेंटर्स में होंगी। इससे छात्रों को असल बोर्ड परीक्षा जैसा अनुभव मिलेगा और वे समय सीमा में परीक्षा की तैयारी बेहतर कर सकेंगे।फिज़िक्सवाला के विध्यापीठ-ऑफलाइन के सीईओ अंकित गुप्ता ने बताया कि, "शिक्षा पर कोई सीमा नहीं होनी चाहिए, खासकर जब छात्र बोर्ड परीक्षा जैसी महत्वपूर्ण तैयारी कर रहे हों। कई छात्रों को तुरंत अच्छी मदद नहीं मिलती और एक छोटा डाउट भी उन्हें तनाव दे सकता है। इसलिए हमने अपने विध्यापीठ, पाठशाला और ट्यूशन सेंटर्स सभी छात्रों के लिए खोल दिए हैं, चाहे वे फिज़िक्सवाला के छात्र हों या नहीं। हम चाहते हैं कि छात्र खुद को सहारा मिला हुआ, आत्मविश्वासी और पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देने के लिए तैयार महसूस करें।"भारत के सभी छात्र अपने पास के फिज़िक्सवाला विध्यापीठ, पाठशाला या ट्यूशन सेंटर जा सकते हैं और एक "डाउट बस्टर पास" ले सकते हैं, जो बोर्ड परीक्षा तक वैध रहेगा। इस पास के साथ छात्र जो भी उनके डाउट्स हों उनके हल के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। अनुभवी शिक्षक छात्रों के सवालों का जवाब देंगे, मुश्किल टॉपिक समझाएंगे और उत्तर लिखने की रणनीति भी बताएंगे। छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान सभी विषयों की शंकाओं को हल कर सकते हैं और सीबीएसई कक्षा 10 के लिए रिविजन कार्ड भी प्राप्त कर सकते हैं, जो उनकी तैयारी में मदद करेगा। छात्र अपने नज़दीकी सेंटर में 1 फरवरी 2026 को होने वाली विज्ञान परीक्षा और 8 फरवरी 2026 को होने वाली गणित परीक्षा के लिए पीडब्ल्यू ऐप के जरिए स्लॉट बुक कर सकते हैं।

जनसेवा ही हरियाणा पुलिस का एकमात्र धर्म और पहचान : डीजीपी अजय सिंघल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल ने आज रोहतक जिला का दौरा कर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की तथा प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से हरियाणा पुलिस की प्राथमिकताओं को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए। इस बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक तथा थाना प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान डीजीपी ने अधिकारियों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों, कार्यप्रणाली तथा जन-अपेक्षाओं पर विस्तृत चर्चा की।

जनता की सेवा और सुरक्षा ही हरियाणा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता

डीजीपी श्री अजय सिंघल ने कहा कि हरियाणा पुलिस की न कोई जाति है और न ही कोई धर्म, बल्कि उसकी एकमात्र पहचान जनता की सेवा, सुरक्षा और विश्वास है। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा का मूल उद्देश्य आम नागरिक की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करना है। जनता जब पुलिस के पास आती है तो उसे भरोसे और सम्मान के साथ व्यवहार मिलना चाहिए। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन-शिकायतों के निवारण में किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि पुलिस की कार्यप्रणाली जनता-केंद्रित, पारदर्शी और जवाबदेह बनी रहे।

आधुनिक तकनीक से सशक्त होती हरियाणा पुलिस

श्री सिंघल ने आज रोहतक जिला में सीसीटीएनएस लैब का भी अपने कर कमलों से उद्घाटन किया। डीजीपी ने कहा कि पिछले दो दशकों में हरियाणा पुलिस ने ढांचागत विकास, तकनीकी संसाधनों और पेशेवर दक्षता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज पुलिसिंग केवल पारंपरिक तरीकों तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा आधारित कार्यप्रणाली से संचालित हो रही है। सीसीटीएनएस प्रणाली अपराध रिकॉर्ड के सटीक प्रबंधन, जांच प्रक्रिया में तेजी तथा विभिन्न जिलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिससे अपराध नियंत्रण और अनुसंधान को नई दिशा मिल रही है।

अपराध नियंत्रण के लिए ग्राउंड लेवल पर सशक्त कार्यप्रणाली पर जोर

कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुए डीजीपी ने कहा कि आज से करीब दो दशकों पहले पुलिस विभाग में स्थिति बिल्कुल अलग थी। आज हरियाणा पुलिस में ना केवल ढांचागत सुविधाओं में अभूतपूर्व सुधार हुआ है बल्कि तकनीक, टर्नआउट सहित अन्य क्षेत्रों में भी हाईटैक हुई है। यद्यपि प्रदेश में अपराध दर में कमी आई है, लेकिन हमारा प्रयास है कि हम सिस्टम में विद्यमान गैप्स को दूर करें ताकि हमारी कार्यप्रणाली पहले से बेहतर हो सके।। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि थाना स्तर पर अपराध के पैटर्न का नियमित विश्लेषण किया जाए तथा यह चिन्हित किया जाए कि किन क्षेत्रों में किस प्रकार के अपराध की प्रवृत्ति बढ़ रही है। अपराध की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी, प्रभावी गश्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित थाना प्रभारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

कम्युनिटी पुलिसिंग और सीसीटीवी नेटवर्क को बताया प्रभावी हथियार

डीजीपी श्री सिंघल ने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग के लिए पुलिस और जनता के बीच मजबूत विश्वास और संवाद अत्यंत आवश्यक है। कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से समाज को पुलिसिंग प्रक्रिया का सहभागी बनाया जा सकता है।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिज़ाइन ने डिज़ाइन, ट्रांस-मीडिया और क्रिएटिव टेक्नोलॉजी में उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब अपनी ऊर्जा, उद्यमशीलता और रचनात्मकता के लिए सदैव जाना जाता रहा है। संगीत और फिल्मों से लेकर फैशन, भोजन, खेल और व्यवसाय तक, पंजाब के छात्रों ने हमेशा कल्पनाशीलता और नवाचार की स्वाभाविक प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। आज वही रचनात्मक भावना डिज़ाइन, एनिमेशन, गेमिंग, यूआई-यूएक्स, आर्किटेक्चर, डिजिटल मीडिया और विजुअल कम्युनिकेशन जैसे आधुनिक करियर क्षेत्रों में नई अभिव्यक्ति पा रही है।

इसी परिवर्तनशील परिदृश्य पर चर्चा करते हुए, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिज़ाइन (WUD) ने चंडीगढ़ में एक विशेष काउंसलर मीट का आयोजन किया। जिसमें पंजाब भर से स्कूल प्रिंसिपल्स और करियर काउंसलर्स ने भाग लिया। इस संवाद का उद्देश्य शिक्षकों को इंजीनियरिंग, मेडिसिन और मैनेजमेंट जैसे पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे बढ़कर छात्रों के लिए उपलब्ध नई पीढ़ी के करियर अवसरों से परिचित कराना था।

इस कार्यक्रम में लुधियाना, अमृतसर, जालंधर, पटियाला, मोहाली और चंडीगढ़ सहित विभिन्न शहरों से आए काउंसलर्स ने भाग लिया। चर्चाओं का केंद्र यह रहा कि साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स—तीनों स्ट्रीम के छात्र क्रिएटिव क्षेत्रों में किस प्रकार सफल करियर बना सकते हैं। WUD के विशेषज्ञों ने गेम डिज़ाइन, फैशन डिज़ाइन, डिजिटल प्रोडक्ट डिज़ाइन, फिल्म एवं वीडियो डिज़ाइन, यूएक्स डिज़ाइन, इंटीरियर डिज़ाइन और एनिमेशन जैसे उभरते क्षेत्रों पर विस्तृत जानकारी साझा की।

पंजाब में शिल्पकला, कहानी कहने की परंपरा, उद्यमिता और समृद्ध दृश्य संस्कृति की एक लंबी विरासत रही है। ये गुण आधुनिक क्रिएटिव इंडस्ट्री में आवश्यक कौशलों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। यही कारण है कि पंजाब से डिज़ाइन शिक्षा को एक गंभीर और लाभकारी करियर विकल्प के रूप में चुनने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर पुलिस मुख्यालय पर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने रखा 2 मिनट का मौन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि के अवसर पर आज सैक्टर-6 पंचकूला स्थित पुलिस मुख्यालय पर उनके आदर्शों को याद किया गया और प्रातः 11 बजे 2 मिनट का मौन रखते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार सहित कई अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था संजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रपिता ने समूचे राष्ट्र को सत्य व अहिंसा की राह दिखाई और अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को आजादी दिलाई।

उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया और कहा कि यदि प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी उनके दिखाए रास्तो जैसे- सच बोलना, अहिंसा के पथ पर चलना, अपना कार्य पूरी ईमानदारी व निष्ठा भाव से करना आदि का संकल्प धारण करे तो यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि आज हम सभी को आत्ममंथन करते हुए अपने कार्यों का आकलन करना चाहिए ताकि राष्ट्रपिता ने जिस सशक्त भारत का सपना देखा था उसे हम सब मिलकर साकार कर सके।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विकसित भारत @2047 की कुंजी के रूप में PRAGATI प्लेटफॉर्म की सराहना की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भारत सरकार के प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म PRAGATI (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) की प्रशंसा करते हुए इसे विकास परियोजनाओं को तेज करने और जन शिकायतों का समाधान करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बताया। उन्होंने कहा कि यह प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र, राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए प्रमुख योजनाओं की प्रत्यक्ष, वास्तविक समय की निगरानी को सक्षम बनाता है।

श्री नायब सिंह सैनी के अनुसार, PRAGATI प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पारदर्शी, जवाबदेह शासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है और विकसित भारत @2047 के दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे सार्वजनिक कल्याण पहलों का तेजी से निष्पादन और प्रभावी वितरण सुनिश्चित होता है।

हरियाणा में वर्तमान में देखरेख अधीन 112 प्रमुख परियोजनाओं में से 57 पहले ही चालू हैं, जिनमें 94,153 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है, जबकि शेष 55 परियोजनाएं—जिनकी कीमत 5.44 लाख करोड़ रुपये है—अभी कार्यान्वयनाधीन हैं।

चालू परियोजनाओं में से, प्रधानमंत्री के PRAGATI (Pro-Active Governance and Timely Implementation) प्लेटफॉर्म के तहत 13 परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिनकी कीमत 30,463 करोड़ रुपये है। क्षेत्रवार, सड़कें और राजमार्ग 30 पूर्ण परियोजनाओं के साथ शीर्ष पर हैं, इसके बाद तेल और गैस (10), बिजली संचरण और वितरण (9), रेलवे (4), बिजली उत्पादन (3), और एक रियल एस्टेट परियोजना हैं। इन पूर्ण संपत्तियों ने हरियाणा की कनेक्टिविटी, ऊर्जा अवसंरचना और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को काफी मजबूत किया है।

इस बीच, 55 कार्यान्वयनाधीन परियोजनाओं में से 13 उच्च मूल्य वाली परियोजनाएं, जिनमें 2.24 लाख करोड़ रुपये का निवेश शामिल है, PRAGATI के तहत निकट देख रेख में हैं। क्षेत्रीय वितरण कनेक्टिविटी और सार्वजनिक सेवाओं पर निरंतर ध्यान दिलाता है, जिसमें सड़कें और राजमार्ग 22 परियोजनाओं के साथ सबसे आगे हैं, इसके बाद स्वास्थ्य सेवा (9), रेलवे (5), तेल और गैस (5), बिजली संचरण और वितरण (4), आईटी/आईटीईएस (3), और बिजली उत्पादन (3)। इसके अलावा, मेट्रो रेल, उद्योग और वाणिज्य, लॉजिस्टिक्स पार्क विकास, और सीमेंट विनिर्माण में प्रत्येक एक-एक परियोजना चल रही है।

इन चल रही पहलों में से कई एनसीआर क्षेत्र की सबसे बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं में शामिल हैं, जिनमें एक्सप्रेसवे, समर्पित माल गलियारे, टेलीकॉम संतृप्ति अभियान, और प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान शामिल हैं—जो हरियाणा के दीर्घकालिक, विकास-उन्मुख अवसंरचना विकास की दिशा में प्रयासों को दर्शाते हैं।

राज्य सरकार का मुख्य फ़ोकस प्रदेश से एनीमिया और कैंसर को समाप्त करने पर रहेगा : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि आगामी समय में राज्य सरकार का मुख्य फ़ोकस प्रदेश से एनीमिया और कैंसर को समाप्त करने पर रहेगा। कैंसर की जांच करने से संबंधित टेस्ट की संख्या बढ़ाई जाएंगी।

स्वास्थ्य मंत्री आज चंडीगढ़ में पत्रकारों से बात कर रही थी।

आरती सिंह राव ने कैंसर के मरीजों की बढ़ती संख्या के प्रति चिंता जाहिर करते हुए कहा कि कैंसर रोगियों और एक सहायक को कैंसर-उपचार के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही स्टेज-3 और स्टेज-4 के कैंसर रोगियों को 3,000 प्रति माह की वित्तीय सहायता दी जा रही है। कैंसर उपचार को और सशक्त बनाने के लिए अंबाला कैंट के सिविल अस्पताल में 50 बिस्तरों वाला अटल कैंसर केयर सेंटर स्थापित किया गया है, जिसमें मैमोग्राफी, सीटी सिम्युलेटर और लिनियर एक्सेलेरेटर जैसे अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। यह केंद्र हरियाणा ही नहीं पड़ोसी राज्यों के मरीजों को भी समग्र कैंसर देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य बजट में ऐतिहासिक वृद्धि की गई है। जहां वित्त वर्ष 2014-15 में स्वास्थ्य बजट 2,646 करोड़ था, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में इसे बढ़ाकर 9,942 करोड़ कर दिया गया है, जो कि 275 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

आरती सिंह राव ने बताया कि डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए 746 मेडिकल ऑफिसर्स और 845 आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर्स को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के तहत 346 मेडिकल ऑफिसर्स और 154 विशेषज्ञ भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि पांच जिलों में एमआरआई (MRI) स्कैन की सुविधा उपलब्ध है, जबकि पानीपत और कुरुक्षेत्र के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं और शेष 9 जिलों के लिए टेंडर जारी किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में जानकारी दी कि राज्य के सभी जिला अस्पतालों में सीनियर सिटीजन कॉर्नर और फिजियोथेरेपी यूनिट्स कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च को कम करने के लिए 17 अक्टूबर 2024 से हरियाणा के निवासियों को मुफ्त डायलिसिस सेवा प्रदान की जा रही है।

2 फरवरी से ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी प्रायोगिक परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन के अंक

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित करवाई जाने वाली सैकेण्डरी एवं सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) वार्षिक परीक्षा फरवरी/मार्च-2026 के लिए राजकीय व अराजकीय स्थाई/अस्थाई मान्यता प्राप्त विद्यालय तथा गुरुकुल/विद्यापीठ परीक्षार्थियों के प्रायोगिक परीक्षा के अंक तथा आंतरिक मूल्यांकन के अंक 02 फरवरी, 2026 से www.bseh.org.in पर दिये गये लिंक पर ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि सैकेण्डरी एवं सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) वार्षिक परीक्षा फरवरी/मार्च-2026 हेतु प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन 02 फरवरी से 16 फरवरी, 2026 तक करवाया जा रहा है। राजकीय व अराजकीय स्थाई/अस्थाई मान्यता प्राप्त विद्यालय तथा गुरुकुल/विद्यापीठ परीक्षार्थियों के प्रायोगिक परीक्षा के अंक तथा INA/GLS(General Awareness and Life Skills Grade)/Co-Curricular Activity Grading के अंक बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in पर दिये गये लिंक पर लॉगिन आई.डी./पासवर्ड से लॉगिन करते हुए 02 फरवरी से 19 फरवरी, 2026 तक ऑनलाइन अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे बताया कि जो विद्यालय निर्धारित तिथि तक प्रायोगिक परीक्षा के अंक एवं INA/GLS(General Awareness and Life Skills Grade)/Co-Curricular Activity Grading के अंक नहीं भरते हैं तो ऐसे विद्यालय 500/- रुपये प्रति परीक्षार्थी व अधिकतम 5000/- रुपये जुर्माने सहित 20 फरवरी से 23 फरवरी, 2026 तक ऑनलाइन अंक अपलोड कर सकते हैं।

एमसीएम ने संवैधानिक मूल्यों सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के उन्नत भारत अभियान (यूबीए) सेल एवं पुस्तकालय ने विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों में संवैधानिक मूल्यों, देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को सुदृढ़ करना था।

यूबीए सेल ने गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल, बधेरी, चंडीगढ़ में मौलिक कर्तव्यों पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण जनसमुदाय में देशभक्ति के उत्साहपूर्ण वातावरण में संवैधानिक मूल्यों का संचार करना था। इस सत्र में राजनीति विज्ञान विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर, सुश्री रिचा गुप्ता, ने बतौर मुख्य वक्ता मौलिक कर्तव्यों के महत्व, संवैधानिक मूल्यों के संवर्धन तथा जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इसके अतिरिक्त, यूबीए सेल ने गाँव अटावा, चंडीगढ़ स्थित आँगनवाड़ी केंद्र में भी एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य छोटे बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत करना था। इस अवसर पर राष्ट्र की स्वतंत्रता हेतु सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों पर एक रोचक एवं सार्थक संवाद आयोजित किया गया। संवाद के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रीय विरासत के सम्मान तथा राष्ट्रप्रेम के महत्व को रेखांकित किया गया, जिससे आँगनवाड़ी में उपस्थित सभी लोगों में देशभक्ति की भावना का पुनः संचार हुआ।

इन जनसंपर्क गतिविधियों के साथ-साथ कॉलेज के पुस्तकालय ने एक ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को संविधान, राष्ट्रीय इतिहास एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाना था। क्विज़ प्रतियोगिता के विजेता रहेः

प्रथम स्थान : मनींदर कौर (बी.ए. द्वितीय वर्ष)

द्वितीय स्थान : अंशिका सूरी (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष)

तृतीय स्थान : मनप्रीत कौर (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष)

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने यूबीए सेल एवं पुस्तकालय के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं समाज में संवैधानिक उत्तरदायित्व, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को सुदृढ़ किया गया है।

उत्तर रेलवे

ई. निविदा

खुली निविदा संख्या 52–अम्बाला/2025–26 दिनांक 29.01.2026

वरिष्ट मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	जगाधरी वर्कशॉप रेलवे स्टेशन पर पुराने लेवल क्रॉसिंग नंबर 100–सी से एसआरई की ओर 99 मीटर की दूरी पर फराकपुर गांव के पास एंड–टू–एंड एफओबी की व्यवस्था।	1,60,63,041	2,30,300	12 महीने	23.02.2026
2	एडीईएन/पीटीए के अंतर्गत एलडीएच–डीयूआई और जेएचएल–एचएसआर खंड पर ट्रैक के सुरक्षित संचालन के लिए ट्रैक के साथ सीआरओ स्थान पर सुरक्षा बाड़ (आरसीसी दीवार / दुर्घटना रोधी बैरियर) का प्रावधान ।	4,13,88,637	3,57,000	12 महीने	23.02.2026
3	ADEN/SRE अनुभाग में SRE-UMB सेक्शन के PKY-SSW के बीच, पिलखनी यार्ड में बंद समपार संख्या 90–C (किमी 188/30–32) पर 2.5 मीटर x 2.5 मीटर के सबवे का प्रावधान।	4,21,31,469	3,60,700	12 महीने	23.02.2026

नोट :– 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट **IREPS** पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई – निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी। **332/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरियाणा सरकार
Surajkund Mela Authority
"विकसित भारत का आधार एक आत्मनिर्भर भारत भी है।
आइए, हम सब मिलकर "वोकल फॉर लोकल"
को हर नागरिक के जीवन का मंत्र बनाएँ।"
- नरेन्द्र मोदी
39वां
सूरजकुंड
इंटरनेशनल
आत्मनिर्भर क्राफ्ट फेस्टिवल
Local to Global – आत्मनिर्भर भारत की पहचान
उद्घाटन समारोह
31 जनवरी, 2026 | प्रातः 11:00 बजे | सूरजकुंड, फरीदाबाद, हरियाणा
कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें
मुख्य अतिथि
श्री सी. पी. राधाकृष्णन
भारत के माननीय उप-राष्ट्रपति
विशिष्ट अतिथि
श्री नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. अरविंद कुमार शर्मा
विरासत एवं पर्यटन मंत्री, हरियाणा
सहभागी राष्ट्र
मिस्त्र
थीम राज्य
Uttar Pradesh
UTTAR PRADESH TOURISM
उत्तर प्रदेश
Meghalaya TOURISM
मेघालय
टिकट बुकिंग सभी मेट्रो स्टेशन व दिल्ली मेट्रो सारथी मोबाइल ऐप पर उपलब्ध
मेले की टिकट के लिए QR कोड स्कैन करें
GET IT ON Google Play
Download on the App Store
HARYANA TOURISM Come, holiday with us!
विदेश मंत्रालय MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS
Ministry of Tourism Government of India
Development Commissioner for Handlooms
ICCR
Utsav
indian handicrafts भारतीय हस्तशिल्प continuing tradition
Incredible India
MINISTRY OF DEVELOPMENT OF NORTH EASTERN REGION
उ.पू.ह.ह.वि.नि. NEHHDC
सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana